वर्ष : 33 » अंक : 211 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, गुरुवार, 17 अक्टूबर 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे

दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

किसानों और कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा

- 130 से 300 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ी रबी के छह फसलों की एमएसपी
- 03 प्रतिशत बढ़ा केंद्रीय कर्मियों का महंगाई भत्ता

अमित बृज । मुंबई / नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बुधवार को किसानों और अपने कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा दिया। सरकार ने रबी की छह फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने का ऐलान करते हुए सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में तीन फीसदी की वृद्धि की घोषणा की। इन घोषणाओं से देश के करोड़ों किसानों, 1.14 करोड़ केंद्रीय कर्मियों और पेंशनधारकों को लाभ होगा।

इन फसलों के लिए एमएसपी बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जिन छह फसलों के लिए एमएसपी बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई, उनमें गेंहू, चना, मसूर, सरसों, जौ और कुसुम शामिल हैं। इनकी एमएसपी में 130 से 300 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। बैठक के बाद केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि गेंहू की एमएसपी में 150 रुपए प्रति क्विंटल का इजाफा किया गया है। इस वृद्धि के बाद गेंहू की नई दर 2425 रुपए प्रति क्विंटल हो गई है। इसी तरह सरसों की एमएसपी में 300 रुपए की वृद्धि की गई है। अब सरसों की नई खरीद दर 5950 रुपए प्रति क्विंटल होगी। इसी तरह सरकार ने जौ की एमएसपी में 130 रुपए, चने की 210 रुपए, मसूर की 227 और कुसुम की एमएसपी में 140 प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी है।

पीएम अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के लिए 35 हजार करोड़ मंजूर

सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए बुधवार को पीएम अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के लिए 35 हजार करोड़ रुपए मंजूर किए। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला किया गया। इसका उद्देश्य किसानों को लाभकारी मूल्य प्रदान करना और उपभोक्ताओं के लिए बाजार मूल्य को स्थिर करना है। वहीं, वैष्णव ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य किसानों को फसलों की कटाई के समय जल्दबाजी में आकर अपनी फसल बेचने से रोकना है। इससे दलहन, तिलहन और अन्य जरूरी कृषि एवं बागवानी वस्तुओं के उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी, किसानों की आय बढ़ेगी और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा होगी

फसल MSP	बढ़ी	पहले	अब
गेहूं	150	2,275	2,425
सरसों	300	5650	5,950
कुसुम	140	5,800	5,940
मसूर	275	6425	6,700
चना	210	5440	5,650
जौ	130	1,850	1,980

नोट :: आंकड़े रुपए प्रति क्विंटल में।

केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3% की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। केंद्रीय कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते (DA) में 3% बढ़ोतरी की गई है। बुधवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में DA बढ़ोतरी पर फैसला हुआ। दिवाली से पहले हुई इस बढ़ोतरी के बाद महंगाई भत्ता 50% से बढ़कर 53% हो गया है। इसका फायदा करीब 49.18 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 64.89 लाख पेंशनर्स को होगा। DA हर 6 महीने में बढ़ता है। बढ़ा हुआ DA 1 जुलाई से लागू होगा। यानी, कर्मचारियों को 3 महीने का एरियर मिलेगा।

सरकारी खजाने पर 9448 करोड़ रुपए का सालाना अतिरिक्त बोझ

केंद्रीय कर्मियों के महंगाई भत्ते और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी बीती एक जुलाई से लागू होगी। वैष्णव ने बताया कि इस बढ़ोतरी से सरकारी खजाने पर 9448 करोड़ रुपए का सालाना अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

महायुति का रिपोर्ट कार्ड

सरकार ने गिनायी अपनी उपलब्धियां

धीरज सिंह । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अब मात्र एक महीना ही बचा हुआ है। ऐसे में राजनीतिक दल अपने-अपने स्तर पर तैयारियों में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए 'महायुति' सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इसके साथ ही उन्होंने विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी (एमवीए) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने एमवीए पर 'विकास विरोधी दृष्टिकोण' के साथ काम करने का आरोप लगाया।

विपक्ष पर बड़ा हमला

वहीं डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महा विकास अघाड़ी सीएम चेहरे की घोषणा इसलिए नहीं कर रही क्योंकि उन्हें नहीं लगता कि चुनाव के बाद उनका सीएम आएगा। उन्होंने आगे कहा, 'हमें मुख्यमंत्री के चेहरे का एलान करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि हमारे सीएम यहां ही बैठे हुए हैं। मैं पवार साहब को चुनौती देता हूं कि वह मुख्यमंत्री पद के लिए अपने नाम का एलान करें।'

ये लोग रहे मौजूद

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार ने मुंबई में अपनी संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान 'महायुति' सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इस दौरान आरपीआई (ए) प्रमुख और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले भी मौजूद रहे

ढाई करोड़ से अधिक को मिला लड़की बहन योजना का लाभ : डिप्टी सीएम

फडणवीस ने कहा, 'हमने सभी योजनाओं की घोषणा कर दी है। उन योजनाओं के लिए सभी वित्तीय प्रावधान और बजट बनाए हैं और इतना ही नहीं, हम अपने घोषणा पत्र में सभी के लिए कुछ नई योजनाओं और लाभों की भी घोषणा करेंगे। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हमारे द्वारा एलान की गई सभी योजनाओं और वादों को वित्तीय प्रावधान का पूरा समर्थन मिलेगा तथा किसी भी योजना में हमारी ओर से वित्तीय सहायता की कमी नहीं होगी। शुरू में जब हमने लड़की बहन योजना की घोषणा की, तो विपक्ष के लोग दावा कर रहे थे कि खातों में पैसा जमा नहीं किया जाएगा, लेकिन अब तक हमारे राज्य के 2.5 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के खातों में कम से कम 4 से 5 किस्तें जमा की गई हैं।'

पिछले दो साल का रिपोर्ट कार्ड पेश

: महायुति के सहयोगियों ने पिछले दो साल में सरकार के कामकाज का 'रिपोर्ट कार्ड' पेश किया। अजित पवार ने कहा कि महिलाओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए उनकी सरकार की 'लाडकी बहिन' जैसी योजनाओं को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से उनके विरोधी चकित हैं।

'एमवीए विकास विरोधी दृष्टिकोण से काम कर रहा'

शिंदे, फडणवीस और पवार ने विपक्ष पर 'झूठा विमर्श' गढ़ने का भी आरोप लगाया। शिंदे ने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के नेता आम आदमी के लिए एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन एमवीए विकास विरोधी दृष्टिकोण से काम कर रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड
किसी को नहीं बख्शा जाएगा : सीएम शिंदे

मुंबई। मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या के कुछ दिनों बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि ऐसे अपराधों के लिए जिम्मेदार आरोपियों को जवाबदेह ठहराया जाएगा और उन्हें सजा दी जाएगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने बुधवार को कहा, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी की निर्मल नगर स्थित उनके कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। उन्हें सीने में दो गोलियां लगीं, जिसके बाद उन्हें आपातकालीन उपचार के लिए मुंबई के लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां शनिवार रात को उनकी मौत हो गई।

महाराष्ट्र में पांच वर्षों में मतदाता सूची में 70 लाख जुड़े मतदाता

मुंबई। महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद से पंजीकृत मतदाताओं की संख्या में लगभग 70 लाख की वृद्धि हुई है। एक शीर्ष निर्वाचन अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होंगे जबकि मतगणना 23 नवंबर को की जाएगी। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. चोकलिंगम ने बताया, '2019 के विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में 8,94,46,211 मतदाता थे। निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए गए विशेष नामांकन अभियान के बाद यह संख्या बढ़कर 9,63,69,410 हो गई है। यानी 69,23,199 मतदाता बढ़े हैं।' चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के एक दिन बाद यहां संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि एक मतदान केंद्र पर सामान्यतः 1,500 मतदाता होते हैं, लेकिन यदि मतदाताओं की संख्या अधिक होगी तो अतिरिक्त मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। चोकलिंगम ने बताया कि 2019 के विधानसभा चुनाव के दौरान 96,654 मतदान केंद्र थे, जबकि इस बार 1,00,186 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पहली बार मतदान करने वाले 18-19 वर्ष की आयु के मतदाताओं की संख्या 20,93,206 है।

अजित पवार को बड़ा झटका

पुणे के मेयर समेत 600 कार्यकर्ताओं ने दिया इस्तीफा

दीपक पवार । मुंबई/पुणे

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले बुधवार को एनसीपी नेता और उपमुख्यमंत्री अजित पवार को बड़ा झटका लगा है। राज्यपाल द्वारा नियुक्त विधान परिषद में विधायक नहीं नियुक्त करने से नाराज अजित पवार गुट के पुणे शहर अध्यक्ष दीपक मानकर सहित 600 कार्यकर्ताओं ने पार्टी छोड़ दी। बुधवार को उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी छोड़ने का ऐलान किया। बता दें कि राज्यपाल की ओर से 12 में से 7 नेताओं विधायकों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। महाराष्ट्र के राज्यपाल द्वारा नियुक्त विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह दोपहर 12 बजे विधान भवन के सेंट्रल हॉल में हुआ। इन सातों में अजित पवार गुट के नेता और छगन भुजबल के बेटे पंकज भुजबल ने शपथ ली। वहीं शिंदे गुट की नेता और पूर्व विधायक मनीषा कायंदे ने शपथ ली। इस पर अजित पवार गुट के पुणे शहर अध्यक्ष दीपक मानकर ने नाराजगी जताई और नगर अध्यक्ष समेत करीब 600 लोगों ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि मैं अन्य लोगों की तरह आगे नहीं बढ़ सकता। कार्यकर्ताओं ने खुद ही इस्तीफा दिया है। मैं खुद इस्तीफा देता हूं। कार्यकर्ताओं को अपना इस्तीफा वापस लेना चाहिए।

मनोनीत विधायक नहीं बनाए जाने से दीपक मानकर नाराज

उन्होंने सवाल उठाया कि भुजबल साहब के घर में सारे पद दिए जाएंगे तो बाकी कार्यकर्ताओं को कब मौका मिलेगा? मैं यह इस्तीफा शनिवार तक अजित पवार को सौंप दूंगा। पुणे शहर के कार्यकर्ताओं की मांग थी कि दीपक मानकर को विधान परिषद में मौका मिलना चाहिए। यह सब अजित पवार के हाथ में है और उन्होंने पंकज भुजबल को मौका दिया लेकिन मुझे छोड़ दिया?

पंकज भुजबल को विधायक बनाए जाने पर जताई आपत्ति

उन्होंने कहा कि महायुति पर इसका प्रभाव कहां पड़ेगा, यह कहना संभव नहीं है। रूपाली चाकणकर और मुझे नगर निगम का टिकट दीजिए, तब आपको पता चलेगा कि किसमें कितना दम है। सत्ता का विकेंद्रीकरण जरूरी है। सुनील तटकरे अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि हमारी भावनाएं उन तक पहुंचनी चाहिए। मुझे दूसरी पार्टियों से ऑफर मिल रहे हैं। लेकिन मैं अजित पवार के साथ रहूंगा। हम गठबंधन के तौर पर काम करेंगे। लेकिन अगर मैं इसे मौका नहीं देना चाहता था तो मुझे ये कहना चाहिए था। दीपक मानकर ने यह भी कहा कि अगर हम फैसला करेंगे तो इसका असर चुनाव में पार्टी पर पड़ेगा। बता दें कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के ऐलान हो गए हैं और अब इस इस्तीफे से पुणे में अजित पवार गुट को बड़ा झटका लगा है।

दो दिन में 12 विमानों में बम की धमकी

मुंबई और दिल्ली पुलिस का ऐक्शन, FIR दर्ज कर शुरू की जांच

राजा आदाटे । मुंबई/नई दिल्ली

बीते दो दिन के दौरान लगभग एक दर्जन विमानों में बम होने की धमकियां मिली हैं। हालांकि तलाशी के दौरान विमानों में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। इनमें से कुछ फ्लाइटें विदेशों की ओर जा रही थीं। अब दिल्ली पुलिस ने बीते दो दिनों के दौरान कई विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के संबंध में एफआईआर दर्ज कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने इस बारे में जांच शुरू की है। पुलिस का कहना है कि एफआईआर की संख्या बढ़ सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि दिल्ली पुलिस ने बीते दो दिनों के दौरान कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय फ्लाइटों को बम से उड़ाने की धमकी के सिलसिले में FIR दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बुधवार को बम की धमकी के बाद 180 से अधिक लोगों को लेकर बेंगलुरु जा रहा अकासा एयर का विमान दिल्ली लौट आया।

बम की धमकी के बाद 4 फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

इंडियन एयरलाइंस की चार और फ्लाइट्स में बुधवार को बम होने की धमकी मिली। इंडिगो की मुंबई-दिल्ली (6E 651) फ्लाइट को टेकऑफ के बाद वापस दिल्ली बुलाना पड़ा, वहीं अकासा एयरलाइंस की दिल्ली-बेंगलुरु फ्लाइट (QP 1335) को अहमदाबाद डायवर्ट किया गया। इसके अलावा स्पाइसजेट की 2 फ्लाइट्स को भी बम की धमकी मिली, जिसके बाद सभी पैसेंजर को सुरक्षित उतार लिया गया। अभी तक इतनी ही जानकारी सामने आई है।

सरकार विमानों में दोगुने एयर मार्शल तैनात करेगी

लगातार मिल रही धमकियों के बीच केंद्र ने बुधवार को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या को दोगुना करने का फैसला किया है। ये विमान में सादे कपड़े में रहेंगे। इसके अलावा गृह मंत्रालय ने एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी है।

सियासत शिवसेना और NCP पर साधा निशाना

संभाजीराजे ने पार्टी की स्थापना के बाद फूंका चुनावी बिगुल

मुनीब चौरसिया । नासिक

महाराष्ट्र में तत्त्वों की राजनीति नहीं रह गई है। कोई भी किसी भी पार्टी से कहीं भी छलांग लगा देता है। पिछले 75 वर्षों में हमारे सामने के प्रश्न नहीं बदले हैं। राज्य में बदलाव चाहिए, तो स्वराज्य पार्टी को सत्ता में लाओ, यह आवाहन संभाजीराजे छत्रपती ने नासिक में किया। विधानसभा जीतने के लिए स्वराज्य पार्टी चुनाव मैदान में उतरी है, और नासिक से चुनाव का शंखनाद किया गया है। गंगापुर रोड पर रावसाहेब थोरात सभागृह में स्वराज्य संकल्प सम्मेलन आयोजित किया गया, जहां संभाजीराजे छत्रपती ने संबोधित किया। स्वराज्य पक्ष को मान्यता मिलने के बाद नासिक में पहला सम्मेलन आयोजित किया गया।

इस अवसर पर शहर में संभाजीराजे छत्रपती की रैली निकाली गई। इसके बाद उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वराज्य पार्टी को अब राजनीतिक दल का दर्जा प्राप्त हो गया है और चुनाव आयोग ने पेन की निब को उनका चुनाव चिन्ह स्वीकार किया है।

संभाजीराजे ने कहा कि स्थापित राजनीतिक दल इस बात पर आश्चर्य व्यक्त कर रहे हैं कि स्वराज्य पक्ष को यह चिन्ह कैसे मिला। लेकिन, उन्होंने घोषणा की कि पेन की निब अब स्वराज्य पक्ष का हथियार बनेगी और वे इसके साथ चुनाव के मैदान में उतरेंगे। स्वराज्य का अर्थ स्वयं का राज्य होता है, जैसा कि महात्मा गांधी ने भी कहा था कि स्वराज का मतलब है जनप्रतिनिधियों द्वारा संचालित ऐसी व्यवस्था जो जन-आवश्यकताओं तथा जन-आकांक्षाओं के अनुरूप हो।

75 वर्षों में पहली बार हो रही इतनी गंदी राजनीति

स्वराज्य पार्टी के नेता ने कहा कि यह राज्य विद्यार्थियों, महिलाओं, मजदूरों और किसानों का है, और पिछले 75 वर्षों में पहली बार इतनी गंदी राजनीति हो रही है। अब तो सिर्फ कुर्सी के लिए किसी भी हद तक जाने और कुछ भी करने का एजेंडा चल रहा है, और इसे रोकने के लिए स्वराज्य पार्टी चुनाव लड़ रही है। उन्होंने शिवसेना और राकांपा के बीच के विभाजन को भी गद्दारी करार दिया और कहा कि शरद पवार का कांग्रेस से अलग होकर राष्ट्रवादी कांग्रेस बनाना भी गद्दारी थी। यह आलोचना स्वराज्य पार्टी के नेता द्वारा नासिक में एक सभा में की गई, जहां उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी चुनाव में उतरेगा और इस गंदी राजनीति को रोकेगी। स्थापित दलों के राजनीतिक नेताओं के हाथ में सहकार क्षेत्र, चीनी मिलें, शैक्षिक संस्थान और अस्पताल होने के बावजूद, हमें मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ता है। इतने वर्षों में स्थापित दल महाराष्ट्र को सुसंस्कृत नहीं बना सके, यह सवाल उठाया गया है।

नासिक का नहीं हुआ विकास

नासिक स्वर्ण त्रिभुज में स्थित होने के बावजूद यहां विकास नहीं हुआ है। हर साल 65 से 70 हजार विद्यार्थी यहां से बाहर जाते हैं, लेकिन उन्हें रोजगार कहां मिलता है? यहां न तो कोई नया उद्योग आया है और न ही स्मार्ट सिटी परियोजना आगे बढ़ी है।

14 मंजिला इमारत के 10वें फ्लोर पर आग

2 बुजुर्ग समेत 3 की मौत

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई के अंधेरी इलाके में एक 14 मंजिला इमारत में बुधवार सुबह आग लग गई। आग से 2 बुजुर्ग समेत 3 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अंधेरी इलाके के लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स के रिया पैलेस बिल्डिंग के 10वें फ्लोर पर सुबह करीब 8 बजे आग लगी। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

फायर ब्रिगेड ने 1 घंटे में आग पर काबू पाया

1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया था, लेकिन तब तक फ्लैट में रह रहे 2 बुजुर्ग और उनका नौकर बुरी तरह झुलस चुके थे। तीनों को गंभीर हालत में कूपर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान चंद्रप्रकाश सोनी (74), कांता सोनी (74) और पेलुबेटा (42) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। जांच के बाद ही पूरी जानकारी दी जाएगी।

घर और मार्बल शोरूम में चोरी की वारदात

■ 2 लाख का माल चोरी कर फरार हुए चोर

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के नारपोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में आय दिन वृद्धि हो रही है। जिसके कारण पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे है। पहले तो रात में चोरी की घटना हुआ करती थी परंतु अब दिनदहाड़े चोर घर को निशाना बनाने लगे है और घटना को अंजाम देने के बाद चोर आसानी से भाग निकलते है।
कल मंगलवार के रोज नारपोली पुलिस स्टेशन की हद में दो अलग अलग जगहों पर चोरी की घटना घटित होने का मामला दर्ज किया गया है। जहां अज्ञात चोरों ने दिनदहाड़े एक घर के दरवाजे की कुंडी को काट कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। दूसरी घटना मार्बल के शोरूम में हुई है। दोनो ही मामलों में पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है।

अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस के अनुसार कामतघर इलाके स्थित वरहालदेवी मंगलभवन के पास नीलकंठ सोसायटी बिल्डिंग की पहली मंजिल पर रहने वाली रगंन तुलसीराम चिलवरवार 64 वर्ष के घर कल दोपहर 1 बजे से 3 बजे के दरमियान अज्ञात चोर ने घर के दरवाजे पर लगी कुंडी को काट कर घर में प्रवेश किया और घर के बेडरूम में रखे कपाट का लॉक तोड़ कर उसमें रखा 1.42 लाख रूपये कीमत का सोने चांदी के आभूषण सहित नगद रूपये चोरी कर फरार हो गया है। नारपोली पुलिस ने महिला की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ बीएनएस की धारा 331(3), 305(1) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।
दूसरी घटना पूर्णा स्थित एचपी पेट्रोल पंप के सामने राजश्री मार्बल एंड ग्रेनाइट्स स्टाईल नामक शोरूम में हुई है। जहां रविवार से सोमवार की देर रात अज्ञात चोरों ने शोरूम का शटर उठा कर अंदर प्रवेश किया। चोर ने शोरूम में रखे 60 हजार रूपये कीमत का जैगवार कंपनी का 4 शॉवर सेट, 4 मिक्सर फिटिंग सहित अन्य सामान चोरी कर फरार हो गया है। नारपोली पुलिस ने शोरूम व्यवसाय राजेंद्रकुमार दीनानाथ केसरवानी की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर चोर की तलाश सरगर्मी से कर रही है।

विधानसभा चुनाव 2024

उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में जोरदार तैयारियां शुरू

- अनुविभागीय अधिकारियों द्वारा समीक्षा बैठक
- अधिकारी व कर्मचारी सजग

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

141 उल्हासनगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के तहत 2024 विधानसभा आम चुनाव के आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाओं को लेकर बुधवार को उपविभागीय अधिकारी कार्यालय, पवई चौक में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।इस बैठक की अध्यक्षता उपमंडल अधिकारी विजयानंद शर्मा और तहसीलदार कल्याणी कदम ने की और विभिन्न टीमों के प्रमुख, कर्मचारी, मतदान केंद्र स्तर के अधिकारी (बीएलओ) और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आवश्यक निर्देश जारी

इस बैठक में उपविभागीय अधिकारी विजयानंद शर्मा एवं तहसीलदार कल्याणी कदम ने चुनाव की पूरी प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत निर्देश देते हुए मतदान प्रक्रिया की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों और टीम प्रमुखों से भारत निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आग्रह किया गया। चुनाव की तैयारी हेतु नियुक्त विभिन्न टीमों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य के त्वरित निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। साथ ही उपखण्ड अधिकारियों ने टीम प्रमुखों की समस्याओं, कठिनाइयों और उनके विचार को जाना। चुनाव प्रक्रिया में आने वाली कठिनाइयों का तत्काल समाधान निकालकर उनकी समस्याओं का समाधान किया गया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह किया गया कि वे अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभाये। इस बैठक में महत्वपूर्ण टीमों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इसमें मुख्य रूप से निर्वाचन निर्णय अधिकारी कक्ष, नामांकन दल, जनशक्ति प्रबंधन दल, सामग्री एवं प्रबंधन दल, ईवीएम एवं वीवीपैट प्रबंधन दल, स्ट्रांग रूम टीम, आई.टी. व सेल दस्ता, यातायात प्रबंधन दस्ता, लेखा दस्ता, अभ्यर्थी लागत दस्ता, बी.एल.ओ. प्रबंधन कक्ष, आचार संहिता और एक खिड़की योजना कक्ष, मतदाता केंद्र सुविधा टीम और पहचान पत्र वितरण टीम शामिल थी। साथ ही क्षेत्रीय पदाधिकारी प्रबंधन कक्ष, मतदान केंद्र कक्ष, विद्युत प्रबंधन एवं फर्नीचर व्यवस्था टीम, डाक मतपत्र प्रबंधन टीम, ईटीपीबीएस कक्ष, मानचित्र निर्माण टीम, स्वीप कक्ष, मतदाता सहायता केंद्र टीम एवं मीडिया प्रबंधन टीम आदि ने चुनाव तैयारियों को लेकर अपनी-अपनी तैयारी प्रस्तुत की।

चुनाव कार्य को समय पर एवं उच्च दक्षता के साथ संपन्न करने का निर्देश

इस चुनाव कार्य में स्वच्छता टीम, चिकित्सा सहायता टीम, मीडिया प्रबंधन टीम एवं मतपत्र मुद्रण कक्ष टीम को विशेष महत्व दिया गया है। साथ ही 85 विकलांगता मतदाता और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं के लिए चुनाव प्रक्रिया में शामिल होना सुनिश्चित करना है। अनुमंडल पदाधिकारी विजयानंद शर्मा ने सभी टीमों का उत्साहवर्धन करते हुए चुनाव कार्य को समय पर एवं उच्च दक्षता के साथ संपन्न करने का निर्देश दिया. उन्होंने चुनाव के हर चरण को सख्ती और योजनाबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आह्वान किया है।

चुनाव से पहले मनोज जरांगे के चक्कर काट रही सभी पार्टियां

कई राजनेताओं की सीक्रेट मीटिंग

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही राज्य में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। सभी पार्टियों अपनी रणनीतियों पर काम करने में जुट गई है। इस बीच विभिन्न दलों के नेताओं ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारंगे से मेलजोल बढ़ाना शुरू कर दिया है। सभी नेता जरांगे से मिलने के लिए कतार में लग गए हैं, जो पिछले साल तक बहुत कम ही मिलते थे।
दरअसल, सभी पार्टियां समर्थन जुटाने के लिए उनसे मिल रही हैं और नेता खुद के लिए चुनाव टिकट सुनिश्चित करने के लिए मेलजोल बढ़ा रहे हैं।

कौन है मनोज जरांगे?

बता दें कि पिछले साल सितंबर में मनोज जरांगे ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत मराठों को आरक्षण देने के लिए आंदोलन किया था, जिससे वह चर्चा में आ गए। तब से उन्होंने मराठवाड़ा क्षेत्र के जालना जिले के अंतरवाली सरती गांव में कम से कम आधा दर्जन बार भूख हड़ताल की है, जिससे वे सुर्खियों में आ गए हैं।

पार्टी लाइन से परे कई नेताओं ने की मुलाकात

सरकार और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ उनकी तीखी टिप्पणियों के बावजूद, हाल के दिनों में पार्टी लाइन से परे कई नेताओं और चुनाव उम्मीदवारों ने उनसे मुलाकात की है, जिनमें से कई ने उनके आंदोलन को समर्थन भी दिया है। एक राजनीतिक विश्लेषक के अनुसार, शिवसेना और एनसीपी में विभाजन के कारण आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव एक बड़ी चुनौती है।
राजनीतिक पर्यवेक्षक अभय देशपांडे ने कहा कि चुनाव के इच्छुक उम्मीदवार जो खुद को खतरे में महसूस कर रहे हैं, वे मराठवाड़ा क्षेत्र में जरांगे जैसे प्रभावशाली नेताओं से मिलकर अपने मतदाताओं की सहानुभूति हासिल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर विद्रोह की संभावना अधिक है, तो इससे वोटों का विभाजन हो सकता है और जीत का अंतर कम हो सकता है।

लोकसभा चुनाव में दिखा था असर

विश्लेषकों के अनुसार, मराठा आरक्षण एक ऐसा मुद्दा है जिसने लोकसभा चुनावों में महायुति को नुकसान पहुंचाया था। जरांगे ने कहा है कि सरकार को मराठा समुदाय की मांगों को पूरा करना चाहिए या 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों में परिणाम भुगतने होंगे।

महायुति में बगावत बर्दाश्त नहीं किया जाएगा :मोरे

दोपहर संवाददाता । कल्याण

शिवसेना जिला प्रमुख अरविंद मोरे ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि महायुति के कुछ सदस्यों को बगावत की भाषा नहीं बोलनी चाहिए। मोरे ने कहा कि महायुति पार्टी के नेताओं ने संबंधितों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चुनाव से पहले बगावत की कोई भी कोशिश पार्टी के हित में नहीं है, सबको एकजुट रहने और महायुति को सफल बनाने की होनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि महायुति में सभी दलों के बीच समन्वय है और किसी भी आंतरिक विभाजन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शिवसेना विधायक विश्वनाथ भोईर द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस मे जिला प्रमुख अरविंद मोरे बोल रहे थे।

2 हजार 38 करोड़ के विकास कार्य चल रहे हैं : भोईर

प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक विश्वनाथ भोईर ने बताया कि कल्याण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विधायक निधि, एमएमआरडीए, स्मार्ट सिटी, एमएसआरडीसी जैसे विभागों में 2 हजार 38 करोड़ के विकास कार्य चल रहे हैं। साथ ही इस अवसर पर शिवसेना जिला प्रमुख अरविंद मोरे ने विधायक भोईर के कार्य का कार्य अहवाल प्रकाशित किया। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने से पहले हुई इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक विश्वनाथ भोईर ने पिछले 5 साल में किए गए विकास कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

सपा से बात किए बिना महाराष्ट्र में प्रत्याशी की घोषणा करना गलत : अबू आजमी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में 12 सीटों पर अपने प्रत्याशियों को उतारने की तैयारी कर चुकी सपा के प्रदेश अध्यक्ष अबु आजमी ने महाविकास अघाड़ी गठबंधन को चेताया है। उन्होंने कहा है कि सपा से बातचीत किए बिना महाविकास अघाड़ी के किसी भी दल का उम्मीदवारों की घोषणा करना गलत होगा। उन्होंने कहा कि वह सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मजबूती वाली अधिक से अधिक सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने की अनुमति मांगेंगे।
सपा के महाराष्ट्र में इस समय दो विधायक हैं। सपा महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष अबु आजमी मुस्लिम बहुल 12 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने की तैयारी कर रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 18 अक्टूबर को मालेगांव और 19 को धुले में जनसभा को संबोधित कर महाराष्ट्र चुनाव के अभियान की शुरुआत करेंगे। इस बीच अबु आजमी ने कहा है कि महाराष्ट्र में यदि महाविकास अघाड़ी का कोई भी पक्ष चाहे वो कांग्रेस हो, राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार), या शिवसेना (उद्धव ठाकरे) हो, वो बिना सपा को बिना विश्वास में लेकर विधानसभा के उम्मीदवारों की सूची जारी करते है, इसका मतलब है की वह सपा को महाविकास अघाड़ी का हिस्सा नहीं मानते हैं।

ठाणे में चुनावी तैयारी जोरों पर

मुख्य जिला चुनाव अधिकारी अशोक शिनगारे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी

चुनाव की पूरी प्रक्रिया इस प्रकार होगी

- चुनाव के लिए आवेदन- 22 अक्टूबर से आवेदन शुरू
- अंतिम तिथि 29 अक्टूबर
- आवेदन की जांच 30 अक्टूबर
- आवेदन वापस लेने की तिथि 4 नवंबर
- मतदान तिथि 20 नवंबर,
- 11 मतगणना तिथि 23 नवंबर

दोपहर संवाददाता । ठाणे

भारत चुनाव आयोग ने 15 अक्टूबर को महाराष्ट्र विधानसभा सार्वजनिक चुनाव की घोषणा कर दिया है। इसके चलते पूरे जिले व महाराष्ट्र राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव एक चरण में 20 नवंबर को होगा मतदान और 23 नवंबर को मतदान की गिनती होगी।विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर जिलाधिकारी व मुख्य चुनाव अधिकारी अशोक शिनगारे ने जिलाधिकारी कार्यालय के समिती सभागृह में प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चुनाव की जानकारी विस्तारपूर्वक उपस्थित सभी पत्रकारों को दिया।

18 विधानसभा क्षेत्र

जिला में विधानसभा क्षेत्र 134-भिवंडी ग्रामीण (एडी), 135-शाहपुर (एडी), 136-भिवंडी पश्चिम, 137-भिवंडी पूर्व, 138-कल्याण पश्चिम, 139-मुरबाड, 140-अंबरनाथ (एडी), 141-उल्हासनगर, 142 -कल्याण पूर्व, 143-डोंबिवली, 144-कल्याण ग्रामीण, 145-मीरा भयंदर, 146-ओवला माजीवाड़ा, 147-कोपरी पचपाखाड़ी, 148-ठाणे, 149-मुंब्रा कलवा, 150-ऐरोली, 151- बेलापुर कुल 18 विधानसभा क्षेत्र हैं। इनमें कुल 6 हजार 894 मतदान केंद्र हैं। निर्वाचन कार्य के लिए जिले में पर्याप्त अधिकारी व कर्मचारी उपलब्ध है और अन्य कार्य के लिए 35 हजार बाहरी लोगों की आवश्यकता है।

कुल मतदाता

15 अक्टूबर 2024 तक ठाणे जिले में कुल 71 लाख 55 हजार 728 मतदाता हैं। इसमें पुरुष मतदाता 38 लाख 13 हजार 264, महिला मतदाता 33 लाख 41 हजार 70, अन्य व तृतीय पंथी मतदाता 1 हजार 394 शामिल हैं। इसके अलावा सैन्य मतदाता 1 हजार 599, एनआरआई मतदाता 977, दिव्यांग 37 हजार 854, 18-19 साल के 1 लाख 65 हजार 597 और 85 वर्ष से अधिक साल के 57 हजार 209 मतदाता हैं।साथ ही मुख्य चुनावी अधिकारी अशोक शिनगारे ने अचार संहिता के दौरान भारत चुनाव आयोग के नियमों का पालन करने के लिए आवाहन किया है।

बांद्रा टर्मिनस-सूबेदारगंज

साप्ताहिक स्पेशल के समय में संशोधन

- अस्थायी तौर पर जोड़े जाएंगे अतिरिक्त कोच

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए अस्थायी तौर पर ट्रेन संख्या 04126/04125 में अतिरिक्त कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन संख्या 04126 बांद्रा टर्मिनस-सूबेदारगंज (साप्ताहिक) स्पेशल के समय में 22 अक्टूबर, 2024 से तथा ट्रेन संख्या 04125 सूबेदारगंज-बांद्रा टर्मिनस (साप्ताहिक) स्पेशल के समय में 21 अक्टूबर, 2024 से संशोधन किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी ने दी जानकारी

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 04126 बांद्रा टर्मिनस-सूबेदारगंज (साप्ताहिक) स्पेशल ट्रेन बांद्रा टर्मिनस से प्रत्येक मंगलवार को 11.00 बजे के बजाय 11.15 बजे प्रस्थान करेगी, जबकि ट्रेन संख्या 04125 सूबेदारगंज-बांद्रा टर्मिनस (साप्ताहिक) स्पेशल ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को 08.30 बजे के बजाय 09.30 बजे बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पहुँचेगी।

यात्रियों को लाभ

यात्रियों के लाभ के लिए ट्रेन संख्या 04126/04125 बांद्रा टर्मिनस-सूबेदारगंज (साप्ताहिक) स्पेशल में बांद्रा टर्मिनस से 22/10/2024 से 30/12/2024 तक तथा सूबेदारगंज से 21/10/2024 से 31/12/2024 तक दो स्लीपर क्लास कोच जोड़े जाएंगे।

04126 बांद्रा टर्मिनस-सूबेदारगंज (साप्ताहिक)		स्टेशन	04125 सूबेदारगंज-बांद्रा टर्मिनस (साप्ताहिक)	
मौजूदा समय	संशोधित समय		मौजूदा समय	संशोधित समय
प्रस्थान 11.00	प्रस्थान 11.15	बांद्रा टर्मिनस	आगमन 08.30	आगमन 09.30
11.33/11.36	11.35/11.38	बोरीवली	07.40/07.42	08.39/08.42
13.10/13.12	13.21/13.23	वापी	06.09/06.11	06.56/06.58
13.29/13.31	13.43/13.45	वलसाड	05.42/05.44	06.23/06.25
14.21/14.24	14.30/14.33	सूरत	04.50/04.53	05.25/05.30
16.05/16.15	16.11/16.21	वडोदरा	03.00/03.10	03.15/03.25
आगमन 17.00	आगमन 17.00	सूबेदारगंज	प्रस्थान 05.20	प्रस्थान 05.20

137 भिवंडी पूर्व विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र

मतदाताओं को सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाएगी : अमित सनप

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही भिवंडी विधानसभा क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है। बुधवार दोपहर 1:30 बजे 137 भिवंडी पूर्व विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र चुनाव निर्णय अधिकारी अमित सनप ने पत्रकार परिषद आयोजित कर पत्रकारों को विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में प्रारंभिक तैयारियों की समीक्षा को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि 137 भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्रों में कुल 3 लाख 70 हजार 045 मतदाता हैं। जिन में पुरुष मतदाता 2,13,569 हैं, जबकि महिला मतदाता 1,56,289 है। तृतीय जाति मतदाता 187, विदेशी नागरिक 02, सेवा मतदाता 14, दिव्यांग मतदाता 1557 और 85 वर्ष से अधिक उम्र के 691 मतदाता हैं।

आदर्श आचार संहिता लागू

उन्होंने कहा कि इस विधानसभा क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है, इसलिए किसी भी प्रत्याशी को किसी भी प्रकार के चुनाव प्रचार के लिए अनुमति लेनी होगी। बिना अनुमति के किसी भी प्रकार की कोई भी प्रचार सामग्री प्रकाशित या प्रचारित नहीं की जा सकती। चुनाव कार्य के लिए टोल फ्री नंबर 1800 233 1114 लैंड लाइन नंबर 02522-230200 दिया गया है। चयन समिति एफएसटी, एसएसटी, वीएसटी का गठन किया गया है। यह टीम 24 घंटे काम करेगी। इस निर्वाचन क्षेत्र में कोई भी संवेदनशील मतदान केंद्र नहीं है। 50 फीसदी मतदान केंद्रों को वेबकास्ट किया जाएगा। निर्वाचन निर्णय अधिकारी अमित सनप ने बताया कि मतदान केंद्र पर पर्याप्त छाया मंडप, कुर्सियां, पेयजल सुविधा, मतदाताओं को लाने-ले जाने के लिए वाहन सहित दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की जाएगी।

कुल 335 मतदान केंद्र

137 भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के चुनाव रिटर्निंग अधिकारी अमित सनप ने बताया कि मतदान केंद्र पर मतदाताओं को सभी प्रकार की बुनियादी तथा अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इस निर्वाचन क्षेत्र में कुल 84 मतदान केंद्रों में से 328 मतदान केंद्रों और सात अतिरिक्त मतदान केंद्रों सहित कुल 335 मतदान केंद्र हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल मतदान प्रतिशत 46.94 प्रतिशत, विधानसभा 2019 में 47 प्रतिशत और लोकसभा 2024 में 49.69 प्रतिशत रहा। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक कर मतदान का प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास किया जायेगा। 85 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए घर पर मतदान की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके लिए उन्हें सक्षम यूपी के माध्यम से पंजीकरण कराना होगा। विशेष मतदाता, सैन्य मतदाता, चुनाव ड्यूटी पर मतदाता, ऐसे मतदाता जो 12डी के अनुसार मतदान के लिए वास्तविक मतदान केंद्र पर उपस्थित नहीं हो सकते, उन्हें घर से मतदान की सुविधा प्रदान की जाएगी। चुनाव संबंधी विभिन्न ऐप तैयार किए गए हैं और सीवीजीआईएल ऐप सभी मतदाताओं के लिए है। इसके माध्यम से नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। इन शिकायतों का निवारण 100 मिनट के भीतर किया जा सकेगा और शिकायत करने वाले नागरिक का नाम गोपनीय रखा जाएगा। केवाईसी यूपी के माध्यम से उम्मीदवार की आपराधिक पृष्ठभूमि, संपत्ति आदि की जानकारी नागरिकों को उपलब्ध कराई जाएगी।

दो दिनों तक हो सकती है पानी की कटौती

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने कहा कि गुरुवार और शुक्रवार को पूरे शहर में 5-10 प्रतिशत पानी की कटौती होगी। मुंबई शहर और उपनगरों में पानी की आपूर्ति मुख्य रूप से वैतरणा बांध से होती है। वैतरणा बांध से पानी लाने वाली पाइपलाइन प्रणाली के 900-एमएम-वाल्व में ठाणे जिले के तराली में खराबी आ गई है।
बीएमसी की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, 'खराबी को ठीक करने के लिए तत्काल कदम उठाए गए हैं और इस उद्देश्य के लिए, जल परिवहन प्रणाली को आंशिक रूप से बंद करना आवश्यक है। परिणामस्वरूप, भांडुप जल उपचार संयंत्र, जो ग्रेटर मुंबई को पानी की आपूर्ति करता है, की आपूर्ति में 5 से 10 प्रतिशत की कमी आई है। परिणामस्वरूप, गुरुवार, 17 अक्टूबर से शुक्रवार, 18 अक्टूबर तक पूरे मुंबई में पानी की आपूर्ति में 5-10 प्रतिशत की कटौती की जाएगी'।

दो बजे
दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार सकारात्मक सोच ही सफलता की नींव है : अनिल कुंबले

शूटरों ने YouTube से ली थी बंदूक चलाने की ट्रेनिंग

कुर्ला में की थी 'ड्राई प्रैक्टिस'

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में नया खुलासा हुआ है। उनकी हत्या के आरोपियों ने यूट्यूब वीडियो देखकर बंदूक चलाना सीखा था। वे मुंबई के कुर्ला इलाके में रह रहे थे, जहां उन्होंने ऑनलाइन ट्रेनिंग ली थी। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पूर्व कांग्रेस नेता और हाल ही में एनसीपी जॉइन करने वाले बाबा सिद्दीकी को तीन शूटरों ने गोली मारी थी। बाबा सिद्दीकी मुंबई के निर्मल नगर इलाके में अपने विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के दफ्तर से निकले थे, जहां शूटरों ने उनपर गोलियां चलाई थी। वारदात को अंजाम देने से पहले बताया जाता है कि उन्होंने ड्राई प्रैक्टिसर भी की थी। मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने आरोपियों से पूछताछ के दौरान पाया कि फरार संदिग्ध शूटर शिवकुमार गौतम ने उत्तर प्रदेश में शादियों में जश्न मनाने के लिए की जाने वाली फायरिंग के दौरान बंदूकें चलाना सीखा था।

मुख्य शूटर के रूप में थी गौतम की तैनाती

गिरफ्तार आरोपियों गुरमेल सिंह और धर्मराज कश्यप से पूछताछ के दौरान यह भी पता चला कि गौतम को रमुख्य शूटरर के रूप में रखा गया था, क्योंकि उसे बंदूक चलाने आता था। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने लगभग चार सप्ताह तक यूट्यूब वीडियो देखकर हथियार लोड करना और उतारना सीखा, क्योंकि उन्हें ट्रेनिंग के लिए खुली जगह नहीं मिल पाई थी।

स्नैपचैट के जरिए कॉन्टेक्ट में थी आरोपी

कथित साजिश करने वालों में से एक शुभम लोनकर 24 सितंबर तक पुलिस की रडार पर था, उससे जून में एक्टर सलमान खान के घर के बाहर अप्रैल में हुई गोलीबारी की घटना के संबंध में पूछताछ की गई थी। वह बिश्नोई गैंग का सदस्य है। शुभम लोनकर को महाराष्ट्र के अकोला जिले के अकोट पुलिस स्टेशन में दर्ज आर्म्स एक्ट के एक मामले में जनवरी में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बाद में उसे जमानत मिल गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उस मामले में दस से अधिक फायरआर्म्स बरामद किए थे। उन्होंने बताया कि शुभम लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल के साथ संपर्क में था। अधिकारी ने बताया कि तब से वह पुलिस की रडार पर था, लेकिन 24 सितंबर को उसका पता नहीं चला। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान यह भी पता चला कि आरोपी स्नैपचैट और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया ऐप का इस्तेमाल करके एक-दूसरे से संवाद करते थे। एक अधिकारी ने बताया कि शुभम लोनकर को मोबाइल फोन ऐप की जानकारी है। अधिकारी ने बताया कि उसने साजिश (सिद्दीकी की हत्या) में शामिल सभी सदस्यों से इंस्टाग्राम के जरिए बात करने और निगरानी से बचने के लिए स्नैपचैट के जरिए चैट करने को कहा था। उन्होंने बताया कि स्नैपचैट में एक ऐसा फीचर है जो ज्यादातर संदेशों को देखे जाने या समाप्त होने के बाद खुद ही रिमूव कर देता है।

'जीत के बाद महायुति की 'लाडली बहिन योजना' खत्म नहीं करेगा MVA'

आदित्य ठाकरे ने खेला चुनावी दांव

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को 288 सीटों पर होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में गर्माहट है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे का एक बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने दावा किया है कि अगर महाराष्ट्र में एमवीए सत्ता में लौटती है, तो वह मौजूदा महायुति सरकार की लड़की बहिन योजना और मुंबई के इंट्री पर टोल माफी को खत्म नहीं करेगी।

आदित्य ठाकरे का दावा

महाराष्ट्र चुनाव को लेकर पूर्व मंत्री ने दावा किया कि धारावी पुनर्विकास परियोजना को क्रियान्वित करने वाले अडानी समूह को मुंबई की 1,080 एकड़ जमीन दी जा रही है। उन्होंने शिंदे सरकार पर आरोप लगाया कि चुनाव से पहले पिछले कुछ कैबिनेट में कई घोषणाओं की आड़ में सरकार ने अडानी समूह को लाभ पहुंचाने के लिए फैसले लिए। ठाकरे ने कहा लड़की बहन योजना और टोल माफी का फैसला सरकार ने पहले क्यों नहीं लिया? हम लड़की बहन योजना और टोल माफी को खत्म नहीं करेंगे। इसके बजाय हम लड़की बहन योजना के तहत दी जाने वाली वित्तीय सहायता की राशि बढ़ाएंगे।

आदित्य का पलटवार

इसके साथ ही सीएम शिंदे के पिछले एमवीए सरकार द्वारा सभी परियोजनाओं को रोकने के आरोप पर आदित्य ठाकरे ने पलटवार करते हुए कहा वे उसी सरकार में ढाई साल तक शहरी विकास मंत्री थे और फिर भी वे बेशर्मी से इस बारे में बात कर रहे हैं। बता दें कि अविभाजित शिवसेना, कांग्रेस और अविभाजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का एमवीए गठबंधन नवंबर 2019 में महाराष्ट्र में सत्ता में आया, लेकिन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार जून 2022 में गिर गई, जब एकनाथ शिंदे और अन्य शिवसेना विधायकों ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ बगावत कर दी और सरकार बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी से हाथ मिला लिया।

शिंदे सरकार पर किया कटाक्ष

पत्रकारों के बातचीत करते हुए आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार पर दिन में अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड पेश करने के लिए कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्य के लोगों ने अब अपना निर्वासन कार्ड तैयार कर लिया है। उन्होंने आरोप लगाया महायुति सरकार के तहत राज्य से व्यवसाय और नौकरियां निर्वासित कर दी गई हैं। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार बहु-अरब डॉलर की धारावी पुनर्विकास परियोजना की निविदा से परे प्रोत्साहन को खत्म कर देगी।

उदवाडा और वापी स्टेशनों के बीच निर्धारित ब्लॉक स्थगित

दोपहर संवाददाता । मुंबई/वापी

उदवाडा और वापी स्टेशनों के बीच रोड ओवर ब्रिज निर्माण के लिए बो स्ट्रिंग गर्डर की लॉन्चिंग हेतु 17, 18, 19 और 25 अक्टूबर, 2024 को निर्धारित ब्लॉक कार्य स्थल पर भारी वर्षा के कारण स्थगित कर दिए गए हैं। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पहले सूचित की गईं वे ट्रेनें, जो इस ब्लॉक से प्रभावित होने वाली थीं, अब अपनी सामान्य समय सारिणी के अनुसार चलेंगी। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाने से पहले समय सारिणी की जांच कर लें।

रामदास अठावले ने की विधानसभा चुनाव में 21 सीटों की मांग

देवेंद्र फडणवीस को लिखा पत्र

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। ऐसे में अब सभी राजनीतिक दल चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। सीट शेयरिंग के साथ ही उम्मीदवारों के नामों पर मंथन चल रहा है। इस बीच रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के अध्यक्ष रामदास अठावले का बड़ा बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने अपनी पार्टी के लिए सूबे की 21 सीटों की मांग की है। रामदास अठावले का कहना है कि उन्होंने चंद्रशेखर बावनकुले और देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर 21 सीटों की मांग की है। उन्होंने कहा कि हमें 8-10 सीटें मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि फिलहाल किस पार्टी को कितनी सीटें दी जाएगी इस पर फैसला नहीं हुआ है, लेकिन देवेंद्र फडणवीस ने हमारी बात हुई है और उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी को कुछ सीटें देंगे। अठावले ने ये भी कहा कि उनकी पार्टी को सत्ता में कुछ भागीदारी मिलनी चाहिए। हमने मांग की है कि सरकार बनने पर हमें भी मंत्री पद मिलना चाहिए, साथ ही एक एमएलसी मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जल्द ही हमारा सेटलमेंट हो जाएगा।

'हम महायुति के साथ रहेंगे'

इसके आगे रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष ने कहा कि हम महायुति के साथ रहेंगे, महाविकास अघाड़ी चाहे जितनी कोशिश कर ले, महाराष्ट्र में महायुति मजबूत है, जनता हमें जरूर सत्ता में बैठाएगी। उन्होंने कहा कि महाविकास अघाड़ी जितना भी जोर लगा ले लेकिन महाराष्ट्र में महायुति का शोर है।

'जनता महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनाएगी'

अठावले ने कहा कि सवा दो सालों में महाराष्ट्र की सरकार ने निर्णय लिए हैं। सरकार की लाडली बहना योजना काफी पॉपुलर हो गई है और करोड़ों महिलाओं को इसका फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि शिदे सरकार ने हर जाति वर्ग के लोगों का ध्यान रखा है। पीएम नरेंद्र मोद की तारीफ करते हुए अठावले ने कहा कि पीएम के नेतृत्व में विकास के कई कार्य हुए हैं। ऐसे में जनता पर पूरा भरोसा है कि वो महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनाएगी। इसके आगे उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया भले की छोटी पार्टी है, लेकिन उसे नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। रिपब्लिकन पार्टी जिनके साथ रहती है उनको सत्ता मिलती है। ये बात देवेंद्र फडणवीस अच्छी तरह से जानते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा गठबंधन बीजेपी के साथ है, इसीलिए बीजेपी को अपने कोटे में से हमें सीटें देनी चाहिए।

जेब पर भारी पड़ेगी इस बार की दिवाली

काजू कतली बिगाड़ेगी मुंह का स्वाद

दोपहर संवाददाता । मुंबई

विजयादशमी के बाद अब दिवाली की तैयारियां शुरू हो गई हैं। दिवाली के मौके पर मिठाइयां और अन्य व्यंजन बनाने में सूखे मेवों का खूब प्रयोग होता है। मौसम के सर्द होने से भी इस माह में बाजार में सूखे मेवों की डिमांड बढ़ जाती है। इस साल वैश्विक स्तर पर ड्रायफ्रूट्स के उत्पादन पर बड़ा प्रभाव पड़ा है, जिसके कारण इनकी कीमतें 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। ऐसे में त्योहारों के मौके पर यह बढ़ती कीमतें उपभोक्ताओं के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं, हालांकि उत्पादकों के लिए यह फायदेमंद साबित होगी। दिवाली आने वाली हैं, ऐसे में भारतीय बाजारों में ड्रायफ्रूट्स की कीमतें अभी और ज्यादा बढ़ सकती हैं। इसलिए, उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे पहले से ही ड्रायफ्रूट्स की खरीदारी कर लें ताकि वे बढ़ती कीमतों से बच सकें।

ये हैं दाम बढ़ने के कारण

ऐसा माना जा रहा है कि ईरान-इजराइल और रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे वार के कारण वैश्विक स्तर पर सूखे मेवों की कीमतों में वृद्धि हुई है। इससे अफ्रीका, ब्राजील जैसे देशों से आयातित काजू, अंजीर, बदाम, खजूर और बेदाणा की कीमतें बढ़ गई हैं। वहीं, भारत में हुई अत्यधिक वर्षा के कारण इस बार सूखे मेवों का उत्पादन घट गया, जिससे आवक कम हुई है। परिणामस्वरूप सभी प्रकार के सूखे मेवों की कीमतें बढ़ गई हैं।

काजू की कीमतें छू रही आसमान

मुंबई के एक प्रसिद्द व्यापारी के मुताबिक इस साल दिवाली के अवसर पर बाजार में ड्रायफ्रूट्स की कीमतें बढ़ गई हैं। आवक कम होने के कारण काजू, बदाम, अंजीर, अखरोट और पिस्ता की कीमतों में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इन बढ़ती कीमतों के कारण इस बार त्योहारों में ड्रायफ्रूट्स आम आदमी की पहुंच से बाहर नजर आ सकते हैं। पिछले साल दिवाली के समय काजू 550 से 800 रुपये प्रति किलो के हिसाब से मिल रहा था, लेकिन इस साल काजू की कीमतें 1000 रुपये का आंकड़ा पार कर 900 से 1500 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई हैं। इसके कारण इस बार दिवाली में काजू कतली खाना जेब पर भारी पड़ सकता है।

पश्चिम रेलवे पर बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया स्वच्छता पखवाड़ा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

भारतीय रेल द्वारा अपने सभी जोनों और उत्पादन इकाइयों में 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान विशिष्ट थीम के तहत विभिन्न स्वच्छता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। यह पखवाड़ा रेल परिसरों की स्वच्छता में स्पष्ट और ठोस सुधार सुनिश्चित करने के लिए समर्पित रहा। पश्चिम रेलवे द्वारा भी इस पहल में शामिल होते हुए स्टेशनों, कार्यालयों और रेल परिसरों को सुंदर बनाने के लिए विभिन्न स्वच्छता गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

'नो टू सिंगल यूज प्लास्टिक' और स्वच्छ जागरूकता रैली पर ध्यान केंद्रित रहा

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार स्वच्छता पखवाड़े के चौदहवें दिन यानी 14 अक्टूबर, 2024 को 'नो टू सिंगल यूज प्लास्टिक' पर ध्यान केंद्रित किया गया। पश्चिम रेलवे ने विभिन्न स्टेशनों पर प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों का इष्टतम कामकाज सुनिश्चित किया, नियमित रखरखाव कार्यक्रमों की पुष्टि की और लंबित सर्विसिंग को भी निपटाया गया। बंद मशीनों की मरम्मत की गई। यात्रियों और कर्मचारियों को सिंगल यूज प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित करने और पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक (SUP) निषेध पर जागरूकता अभियान चलाए गए। अभियान में पोस्टर, सार्वजनिक घोषणाएं, सोशल मीडिया अभियान, पुनः प्रयोज्य बैग का वितरण और स्टेशनों पर कार्यशालाएं शामिल थीं। 180 से अधिक स्टेशनों से प्रतिदिन 10.15 टन प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया, जिसमें प्लास्टिक की बोतलें, प्लास्टिक की थैलियाँ, खाद्य पैकेजिंग और अन्य प्लास्टिक कचरा शामिल था। पश्चिम रेलवे के रेलवे स्टेशनों पर खाद्य स्टालों/जलपान कक्षों पर विशेष अभियान चलाए गए, जिसमें रेलवे स्टेशनों पर विक्रेताओं को एकल-उपयोग प्लास्टिक प्रतिबंध का उल्लंघन करने के लिए दंडित किया गया। रेलवे स्टेशनों पर स्टॉल विक्रेताओं को SUP का उपयोग करने के लिए दंडित किया गया। स्वच्छता पखवाड़े के 15वें दिन यानी 15 अक्टूबर, 2024 को स्वच्छता पखवाड़े के दौरान किए गए कार्यों/गतिविधियों की समीक्षा की गई।

मुंबई सेंट्रल मंडल पर भी मनाया गया स्वच्छता पखवाड़ा

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा भी इस स्वच्छता पखवाड़े में उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। यात्रियों के बीच कॉटन बैग वितरित किए गए और हाउसकीपिंग स्टाफ को सुरक्षा किट वितरित किए गए। लगभग 600 हाउसकीपिंग कर्मचारियों को स्टेशन परिसर से नगर निगम के डंपिंग ग्राउंड तक कचरे और प्लास्टिक कचरे के उचित और व्यवस्थित निपटान के बारे में परामर्श दिया गया। अभियान के दौरान पूरे डिवीजन में लगभग 200 पेड़ लगाए गए और 1 टन से अधिक प्लास्टिक का मलबा हटाया गया। कूड़ा-कचरा विरोधी अभियान के माध्यम से 10,500 रुपये का जुर्माना वसूला गया, जो कूड़ा-कचरा फैलाने के खिलाफ सक्रिय रुख को दर्शाता है। इस पहल ने न केवल स्वच्छ और अधिक स्वच्छ रेलवे पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, बल्कि यात्रियों और कर्मचारियों के बीच सामुदायिक जिम्मेदारी की भावना को भी बढ़ावा दिया गया।

मुलुंड के लोगों ने की एम्स अस्पताल बनाने की मांग

कहा – डंपिंग ग्राउंड की खाली जगह का करें सही उपयोग

दोपहर संवाददाता । मुलुंड

मुलुंड में पूर्व पीएपी का मुद्दा गर्माया हुआ है। अब पूर्व में ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के बगल में बंद पड़े ऑक्ट्राई नाके और डंपिंग ग्राउंड की खाली पड़ी जगह पर अस्पताल, राज्य परिवहन का बस टर्मिनल, सांस्कृतिक भवन, नाट्यगृह, राज्य पुलिस बल का कैम्प बनाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिसके लिए हरिओम नगर एपेक्स बॉडी फेडरेशन (HONAFE) नामक संस्था ने हजारों लोगों के सिग्नेचर लिए। मुलुंड के हजारों लोगों के सिग्नेचर के साथ राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को ज्ञापन दिया है। मुलुंड के निवासियों ने राज्य सरकार से मांग की है कि मुलुंड पूर्व में हरिओम नगर के बगल वर्षो से बंद पड़े ऑक्ट्राई नाके की 18 एकड़ और डाम्पिंग ग्राउंड कि 42 एकड़ की खाली जगह पर मुंबईकरों और भूमि पुत्रों के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अस्पताल, राज्य परिवहन बस टर्मिनस, सांस्कृतिक नाट्य गृह, रैपिड एक्शन फोर्स, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के लिए कैम्प आधारित निवास बनाया जाना चाहिए। जिसके लिये हरिओम नगर एपेक्स बॉडी फेडरेशन (HONAFE) संस्था द्वारा सिग्नेचर कैम्पेन चलाया गया अब तक 2 हजार से ज्यादा लोगों ने सिग्नेचर कर के अपनी सहमति जताई है। संस्था द्वारा लगातार इस अभियान को ऑनलाइन भी चलाया जा रहा है। हालांकि, 2017 में भी मुलुंड की हिलसाइड रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (HRWA) के भरत सोनी ने भी इसी तरह की मांग कर मनपा को पत्र लिखा था, जिसे तत्कालीन सांसद मनोज कोटक ने भी उठाया था। मुलुंड के लोगों का कहना है कि राज्य सरकार द्वारा मुंबई के विभिन्न जगहों के प्रोजेक्ट प्रभावित (पीएपी) क्षेत्र के निवासियों एवं निवासियों को मुलुंड में विस्थापित किए जाने की योजना है। आने वाले दिनों में मुलुंड में जनसंख्या के हिसाब से काफी भीड़ हो जाएगी लोगों को यातायात, मेडिकल सुविधा के लिए काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा। मौजूदा समय में मुलुंड में इतनी पर्याप्त जगह है यहां पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अस्पताल, राज्य परिवहन बस टर्मिनस और सांस्कृतिक केंद्र बनाया जा सकता है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है, और सभी प्रमुख राजनीतिक पार्टियां चुनावी तैयारियों में जुट गई हैं। चुनावी माहौल में दलबदल की प्रक्रिया भी तेजी पकड़ रही है। इसी क्रम में मुंबई से कांग्रेस महासचिव जावेद श्रॉफ ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का दामन थाम लिया है। उनकी एनसीपी में यह एंट्री महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एनसीपी प्रमुख सुनील तटकरे की मौजूदगी में हुई। इस घटनाक्रम ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है, क्योंकि यह तब हुआ है जब कांग्रेस अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर आगामी चुनाव जीतने की रणनीति बना रही है। जावेद श्रॉफ इससे पहले कांग्रेस के महत्वपूर्ण नेता थे और मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव की बड़ी जिम्मेदारी निभा रहे थे।

महासचिव जावेद श्रॉफ NCP में शामिल

'सीएम शिंदे को बलिदान देने की जरूरत, जैसे हमने दिया'

सीट-शेयरिंग पर भाजपा नेता बावनकुले के बयान ने मचाई सनसनी

मुंबई। महाराष्ट्र भाजपा के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को विधानसभा चुनावों के लिए सीट-शेयरिंग के मामले में बलिदान देने के लिए तैयार रहना चाहिए, जैसा कि भाजपा ने गठबंधन बनाए रखने के लिए दिया है। बावनकुले का यह बयान उस समय आया है, जब चुनाव आयोग ने राज्य विधानसभा की 288 सीटों के लिए चुनावी कार्यक्रम घोषित किया है। मतदान 20 नवंबर को होगा और नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। बावनकुले ने कहा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को खुले विचार रखकर बलिदान देने के लिए तैयार रहना चाहिए। हमने भी गठबंधन को बनाए रखने के लिए बलिदान दिया है। यह स्पष्ट है कि भाजपा उन सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है, जो पहले उसके पास थीं।

पश्चिम रेलवे

पे एंड यूज नॉर्मल टॉयलेट ब्लॉक के अनुबंध के लिए ई-नीलामी

मुंबई डिवीजन में नॉर्मल पे एंड यूज टॉयलेट ब्लॉक के संचालन और रखरखाव के अनुबंध के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही 10.10.2024 को IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत किए गए हैं:

अनुबंध का प्रकार: सामान्य अनुबंध. श्रेणी: पे एंड यूज टॉयलेट ब्लॉक.

नीलामी कैटलॉग संख्या: एमएमसीटी-पीएन यूटी-24-25	
स्टेशन और स्थान	**अनुबंध अवधि**
मलाड ईस्ट सर्कुलेटिंग एरिया	3 वर्ष
दादर और माटुंगा रोड स्टेशन	
ई-नीलामी की तिथि और समय: लॉट के लिए ई-नीलामी **28.10.2024 को 12.00 बजे शुरू होगी.**	

नोट: संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के अनुसार विवरण वहां उल्लिखित कैटलॉग के अंतर्गत उपलब्ध हैं। आरंभिक कूलिंग ऑफ अवधि 30 मिनट है। क्रमिक लॉट समापन अंतराल 10 मिनट है। लॉट के अनुसार समापन समय IREPS के ई-नीलामी मॉड्यूल में देखा जा सकता है।

0634

लाइक करें: facebook.com/WesternRly • फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

संपादकीय

दुर्भाग्यपूर्ण विवाद

गत एक वर्ष से अधिक समय से भारत तथा कनाडा के बीच जारी कड़वे विवाद का जो चरम हाल ही में देखने में आया है, वह दोनों देशों के दीर्घकालीन संबंधों के हित में कदापि नहीं कहा जा सकता है। निश्चय ही यह दोनों देशों के रिश्तों में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। अपने घरेलू राजनीतिक हितों को साधने के लिये जस्टिन ट्रूडो के हालिया तल्ख आरोपों के चलते ही भारत आलोचना- निंदा जैसे कदमों से कहीं और आगे निकल गया है। भारत की यह प्रतिक्रिया स्वाभाविक ही थी जब जून 2023 में कट्टरपंथी सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर, जिसे भारत ने आतंकवादी घोषित किया था, की हत्या में शीर्ष भारतीय राजनयिकों की संलिप्तता के आरोप कनाडा सरकार द्वारा लगाये गए। नई दिल्ली ने खुले तौर पर इस कटुता को पैदा करने में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नकारात्मक भूमिका का आरोप लगाया है। जिसके मूल में उनका घरेलू राजनीतिक एजेंडा है। भारत सरकार ने उन पर आरोप लगाया है कि अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये तैयार घरेलू एजेंडे के तहत ही जस्टिन ट्रूडो भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपना रहे हैं। निश्चित रूप से इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम की परिणति के चलते राजनयिकों के निष्कासन ने दोनों देशों के संबंधों को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। यह निर्विवाद सत्य है कि पिछले एक साल से जारी इस विवाद को सुलझाने में कनाडा की तरफ से संयम दिखाने के प्रयास ना के बराबर ही हुए हैं। जिसकी जवाबदेही जस्टिन ट्रूडो को ही स्वीकारनी होगी। दरअसल, कनाडा में अल्पमत सरकार चला रहे जस्टिन ट्रूडो लगभग नौ वर्ष के कार्यकाल के दौरान अपने घर में लगातार अलोकप्रिय होते जा रहे हैं। यहां तक कि उनके अपने राजनीतिक दल लिबरल पार्टी में उनका मुखर विरोध हो रहा है। इसके चलते पार्टी के भीतर पद छोड़ने को लेकर लगातार दबाव बढ़ रहा है। जो उनकी अपरिपक्व राजनीति का ही पर्याय कहा जा सकता है। दरअसल, अपनी सत्ता को डांवाडोल होते देख, कनाडा के लोगों का ध्यान हटाने के लिये ट्रूडो इस तरह के अप्रिय विवादों को हवा दे रहे हैं। आरोप लगाया जा रहा है कि सत्ता पर कब्जा बनाये रखने के लिये ट्रूडो सिख चरमपंथी तत्वों का तुष्टीकरण करने हेतु इस तरह के आरोपों को हवा दे रहे हैं। निश्चय ही भारत पर इस तरह के आरोप, राजनीतिक आकांक्षाओं के चलते लगाने से भारत के साथ कनाडा के संबंधों को जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई करना अगले कुछ वर्षों में संभव नहीं हो सकेगा। निस्संदेह इस घटनाक्रम ने राजनयिक संकट को और गहरा किया है। इसमें दो राय नहीं कि भारत कनाडा सरकार द्वारा लगातार अलगाववादियों को समर्थन देने पर चिंता व्यक्त करता रहा है। लेकिन अपनी सरकार बचाने में जुटे जस्टिन ट्रूडो ने भारत की मांग को कभी भी गंभीरता से नहीं लिया है। जो मामला अब लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। यह अजीब बात है कि कनाडा सरकार सिख अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिये आपराधिक नेटवर्क चलाने का आरोप लगा रही है। हालांकि, भारत विगत में ओटावा से भारतीय मूल के गैंगस्टरों पर लगाम लगाने के लिये कहता रहा है। बहरहाल, आक्रामक राजनीति का यह रवैया भारत-कनाडा के संबंधों को लगातार खतरे में डाल रहा है। निर्विवाद रूप से यह चिंताजनक स्थिति किसी भी देश के हित में नहीं है। निश्चित रूप से बंद दरवाजों के पीछे कूटनीतिक संबंधों की गुंजाइश कायम रहनी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि अंतर्राष्ट्रीय राजनय में बड़े राष्ट्रों से परिपक्व व संयम की उम्मीद की जाती है। कनाडा सरकार को ध्यान रखने की जरूरत है कि किसी देश की संप्रभुता के लिये चुनौती पैदा करने वालों को अपनी राजनीति का मोहरा नहीं बनाया जाना चाहिए। ऐसे तत्वों को प्रश्रय देने से कालांतर उनके लिये भी ऐसी चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। यदि ट्रूडो भविष्य में भी ऐसी ही नीतियों को जारी रखते हैं तो वैश्विक स्तर पर कनाडा की साख पर भी आंच आएगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले वक्त में दुराग्रह त्याग कर रिश्तों को पटरी पर लाने की गंभीर कोशिश होती नजर आएगी।

युवा डॉक्टरों को भी आत्मनिरीक्षण की जरूरत

अविजित पाठक

अब जब मैं कोलकाता से यह लेख लिख रहा हूं, तो युवा डॉक्टरों को सड़क पर उतरकर, अपनी आवाज़ उठाते, पश्चिम बंगाल के सरकारी अस्पतालों में भ्रष्टाचार के विशाल नेटवर्क का पर्दाफाश करते या उनमें व्याप्त 'धमकाने वाली संस्कृति' के अत्याचार को उजागर करते और अपने कार्यस्थल पर सुरक्षा और संरक्षण की मांग करते हुए देख रहा हूं। हां, उनका दृढ़ निश्चय या सत्ताधारी राजनीतिक प्रतिष्ठान से लड़ने का उनका साहस वाकई में प्रशंसनीय है। फिर भी, मैं उनसे और उनके वरिष्ठ सहयोगियों से अपील करना चाहता हूं कि वे अपने क्षितिज को व्यापक बनाएं, पर्याप्त रूप से आत्म-चिंतनशील बनें और साथ ही आधिपत्यवादी बायोमेडिसिन की खामियों का आलोचनात्मक विवेचन करें – इसके प्रभुत्व का विमर्श, इसके वस्तुकरण और इससे जुड़े अनेकानेक आचरणों का। हालांकि, डॉक्टरों का मैं भी प्रशंसक हूं, और मैं आधुनिक चिकित्सा की उल्लेखनीय उपलब्धियों से अवगत हूं। जैसे कि, व्यक्ति इंसुलिन लेकर अपने मधुमेह को नियंत्रित कर लेता है और यथासंभव सामान्य जीवन सुचारु रूप से जीता है, या फिर घुटने की सर्जरी करवाकर पुनः आत्मविश्वास से चलने लगता है – आधुनिक चिकित्सा की श्लाघापूर्ण गाथाएं हर घर में सुनी जा सकती हैं। लेकिन फिर भी, इन उपलब्धियों के बावजूद, मैं अपनी दुविधा से इनकार नहीं कर सकता, यहां तक कि आधुनिक बायोमेडिकल व्यवस्था की कुछ गंभीर आलोचना भी करता हूं। मैं चाहता हूं कि युवा डॉक्टर – विशेषकर – क्योंकि उन्होंने अभी तक अपनी आलोचनात्मक सोच खोई नहीं होती, व्याप्त प्रणाली की आलोचना पर विचार करें और अपने संघर्ष को एक नया अर्थ दें। युवा डॉक्टरों को ज्ञान की प्रचलित राजनीति पर विचार करने की जरूरत है। क्या यह तथ्य नहीं है कि आयुर्वेद, यूनानी या होम्योपैथी जैसी 'पारंपरिक' चिकित्सा प्रणालियों को खारिज करना काफी आसान है? यदि बतौर एक मरीज आप आधुनिक बायोमेडिकल प्रणाली से असंतोष के बारे में बोलने की हिम्मत करते हैं, तो आपको याद दिलाया जाएगा कि आप केवल एक अनाड़ी हैं, इसलिए, आपके लिए डॉक्टर द्वारा सुझाए गए या निर्धारित की गई हर चीज या लिखे नुस्खे को स्वीकार करना श्रेयस्कर है। वास्तव में, जैसा कि इवान इलिच ने अपनी उत्कृष्ट रचना 'लिमिट्स टू मेडिसिन' में बड़ी बारीकी से व्यक्त किया है कि आधिपत्यवादी बायोमेडिसिन में निहित प्रभुत्व का विमर्श रोगी की प्रभावशीलता को सीमित कर देता है। लेकिन फिर, बतौर रोगी, आप केवल मापने योग्य मापदंडों (मसलन, आपका ब्लड कल्चर, या आपकी बायोप्सी रिपोर्ट के निष्कर्ष) के एक समुच्चय के साथ कोई 'पहचानहीन' शरीर न होकर, चेतना सहित एक जीवित आत्मा और जीता-जागता व्यक्तित्व भी हैं, और आप जिस ढंग से जीना या मरना चाहते हैं, उसको लेकर आपकी अपनी पसंद होनी चाहिए। क्या आपके लिए जरूरी है कि किसी सुपर-स्पेशिएलिटी अस्पताल के आईसीयू में कीमोथैरेपी की दर्दनाक प्रक्रिया से गुजरें, इस उम्मीद के साथ कि इससे आपको 'एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया' के दर्द से अस्थायी राहत मिल सकेगी, और अगले दो महीने तक और जीवन चल सकता है? या, क्या आपको खुद को एक्सपेरिमेंट करने की एक वस्तु में बदलने से मना कर देना चाहिए और अपने घर वापस लौटना चाहिए ताकि अपने शयनकक्ष में, अपने प्रियजनों की मौजूदगी के बीच दुनिया छोड़ी जा

सके? चाहे यह 'वैज्ञानिकता' की शक्ति और आभा से युक्त सर्वश्रेष्ठ डॉक्टर हों या फिर कृत्रिम जीवन-रक्षक प्रणालियों की तकनीक, किसी को भी आपको आपकी पसंद या आपकी इच्छा से वंचित करने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। हालांकि, विडंबना यह है कि आधिपत्य वाली बायोमेडिसिन के कारण और इलिच के शब्दों में कहें तो, 'मौत के चिकित्साकरण' के परिणामस्वरूप लगता है हममें से अधिकांश ने जीने और मरने के अनुभव पर अपना नियंत्रण खो दिया है। डॉक्टरों और उनसे संलग्न दवा उद्योग की हर बात पर 'हां' न कहने को अक्सर गैरजिम्मेवाराना काम या 'विज्ञान विरोधी' स्वभाव का प्रदर्शन माना जाता है! इसी प्रकार, क्या युवा डॉक्टरों के लिए यह संभव होगा कि वे इस बात से कुछ असहज महसूस करें कि उनके पेशे को किस प्रकार व्यापार या मुनाफ़ा कमाने वाले धंधे में बदल दिया गया है? बेशक, डॉक्टरों को कमाने और एक बढ़िया जीवन जीने की ज़रूरत है। लेकिन फिर, हम देखते हैं कि कैसे हमारे भीड़भाड़ से अटे सरकारी अस्पतालों में अच्छी सुविधाओं की कमी के कारण (मत भूलें कि वित्तीय वर्ष 2024 के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय सकल घरेलू उत्पाद का केवल 2.2 प्रतिशत रखा गया है) कॉर्पोरेट सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल 'बढ़िया स्वास्थ्य' को 'उचित' मूल्य सूची के साथ एक वस्तु के रूप में बेचने में संकोच नहीं करते – मसलन, आईसीयू में रखने का खर्च प्रतिदिन 90,000 रुपये, या डीलक्स कमरा : 75,000 रुपये हर रोज,या बाईपास सर्जरी और किडनी प्रत्यारोपण के लिए आकर्षक 'पैकेज' या 'छूट'। कोई आश्चर्य नहीं, स्वास्थ्य बीमा कंपनियां 'खुश उपभोक्ताओं के चेहरे पर मुस्कान लाना' चाहती हैं, और आपको सलाह देती हैं कि 'खर्च सीमा के बारे में चिंता न करें, केवल अपने स्वास्थ्य लाभ पर ध्यान दें'! हालांकि, यदि आप अपनी आंखें खुली रखने की हिम्मत करें तो आप आसानी से देख सकते हैं कि कैसे एक पवित्र पेशा तेजी से कॉर्पोरेट अस्पताल एवं नर्सिंग होम, सदा पॉलिसी करवाने पर जोर देती स्वास्थ्य बीमा कंपनियों और सबसे बढ़कर, 65 बिलियन डॉलर मूल्य के दवा उद्योग की शृंखला से जुड़े एक बदसूरत व्यापार में परिवर्तित हो रहा है। क्या यही कारण है कि मध्यम वर्ग के माता-पिता अपने बच्चों को संदिग्ध निजी मेडिकल कॉलेजों में भेजने के लिए अपनी संपत्ति तक बेचने के लिए तैयार हैं ताकि वे 'डॉक्टर' बन सकें? और, अंत में, क्या आधुनिक बायोमेडिसिन के चिकित्सकों को बीमारी और रोगी के सामाजिक-आर्थिक पहलू की भी शिनाख्त होनी चाहिए? उदाहरणार्थ, यदि आप अपनी रिहायश के परिवेश में या बतौर एक निर्माण अथवा एक कोयला खदान मज़दूर लगातार प्रदूषित हवा के संपर्क में रहते हैं तो क्या कोई डॉक्टर आपकी पुरानी खांसी को केवल महंगी दवाइयों के ज़रिए ठीक कर पाएगा? या, इसी प्रकार, अगर प्रशासन आपकी झुग्गी-झोपड़ी कालोनी में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में विफल रहता है और आपके पास महंगे वाला वाटर फिल्टर अथवा पानी की बोतलें खरीदने लायक पैसे नहीं हैं तो क्या सबसे अच्छा डॉक्टर भी आपको पेट की बीमारियों और पीलिया की पुनरावृत्ति से मुक्त करने में मददगार हो सकता है? शायद, 'मूल्यों के प्रति तटस्थ' चिकित्सा विज्ञान कठिन सामाजिक-राजनीतिक प्रश्न पूछना नहीं चाहता। इसकी बजाय रोगी को सिर्फ़ एक 'पहचानहीन' शरीर के रूप में लेना और उसे अनेकानेक 'परीक्षणों' के लिए क्लिनिकल लैब्स में जाने के लिए कहना आसान है, जिसका खर्च वह शायद ही कभी उठाने योग्य हो! हां, जैसा कि कोलकाता ने दिखाया है, युवा डॉक्टर अपने अधिकारों और सम्मान के लिए विरोध करने के लिए पर्याप्त साहसी हैं। लेकिन फिर, क्या यह पूरी तरह से गलत होगा यदि आप और मैं उनसे कुछ हद तक आत्मनिरीक्षण की अपेक्षा रखें कि वे आधुनिक बायोमेडिकल प्रणाली को अमानवीय बनाने वाली विकृति के खिलाफ़ भी अपनी आवाज़ उठाएं?

जीवन मंत्र

अहंकार से बचना होगा

जैसे आपकी गाड़ी का इंधन समाप्त हो जाता है और उसे बार-बार भरवाना पड़ता है, उसी प्रकार आपकी निष्ठा की भावना भी समय के साथ घटती चली जाती है। उसको बार-बार नवीकरण की आवश्यकता है। इसलिए, आपको समर्पण करते जाना है।

जब आप अपने को श्रेष्ठ समझते हैं, तब सूक्ष्म स्तर पर दूसरों को बुरा समझ रहे होते हैं। ऐसे में, आपके भीतर क्रोध, द्वेष, नफरत जैसे मनोभाव आते हैं; जब आप खुद को बुरा समझते हैं, तब आपका मन क्षुब्ध हो जाता है और फिर वही मनोभाव पैदा होते हैं- सबके प्रति क्रोध और द्वेष के भाव। यदि आप स्वयं को अच्छा समझते हैं, तो यह एक समस्या है और जब अपने को बुरा समझते हैं, तो यह आपके लिए एक और बड़ी समस्या है। इसलिए, स्वयं के प्रति धारणाएं बनाना छोड़ दें! इससे अहं पैदा होता है। अहंकार भारीपन और बेचैनी लाता है। यह प्रेम को उभरने नहीं देता। सत्य का ज्ञान होने पर अहं से ऊपर उठ सकते हैं, यह प्रश्न करके कि 'मैं कौन हूं?' प्रायः अहंकारी व्यक्ति के प्रति आप तिरस्कार की भावना या ईष्या महसूस करते हैं, लेकिन आपको ऐसे व्यक्ति के प्रति सहानुभूति होनी चाहिए।

अहंकार का एक सकारात्मक पहलू भी है- यह आपको काम करने के लिए प्रेरित करता है। गौर कीजिए, एक व्यक्ति किसी कार्य को प्रसन्नता, दया या अहंकार से कर सकता है। समाज

में अधिकतर काम अहंकार द्वारा होते हैं, परंतु सत्संग में कार्य प्रेम द्वारा होते हैं। अहं एक दूरी है, अलगाव की भावना है। अहंकार कुछ सिद्ध करना चाहता है, अधिकार जताना चाहता है। मगर जब आप जागृत होकर देखते हैं कि कुछ भी तो नहीं, जिसे सिद्ध करना है, जिसे पाना है, तब सारा अहं मिट जाता है।

आपके अंदर का 'मैं' या 'अहं' एक छोटा सा अणु है। यदि यह अणु जड़-तत्व से जुड़ता है, तो यह अपनी पहचान तत्व से करता है। यदि यह अणु अपनी पहचान आत्मा से करता है, अनंतता से करता है, तो यह अपनी पहचान परम-आत्मा से करता है। जब यह अणु, यह अहं भौतिक संसार से जुड़ता है, तो सांसारिक हो जाता है। शरीर से जुड़ने पर यह दुखी हो जाता है, परंतु आत्मा से जुड़ने पर दिव्य हो जाता है। सत्ता से, आत्मा से जुड़ जाने पर यह शक्ति, ऊर्जा बन जाता है। देखिए, एक विशाल अणु-संधान केंद्र में केवल एक छोटा सा अणु ही है, जिसका विस्फोट किया जाता है। इसी प्रकार, हमारे संपूर्ण शरीर में 'मैं' का केवल एक छोटा सा अणु ही है और जब इस 'मैं' का विस्फोट होता है, तब आत्मा स्वयं प्रकाशमान होती है। प्रायः हम कहते हैं, मैं दुखी हूं या मैं प्रसन्न हूं। इस अणु की पहचान शरीर से, धारणात्मक संसार से हटाकर असली संसार के साथ करें।

प्रस्तुति: श्री श्री रविशंकर

शख्सियत | आर. के. शन्मुखम चेट्टी

स्वतंत्र भारत के पहले वित्त मंत्री

आर. के. शन्मुखम चेट्टी का जन्म 17 अक्टूबर 1892 को कोयंबटूर, तमिलनाडु में हुआ था। वह एक प्रख्यात अर्थशास्त्री, कुशल वकील, उद्योगपति और राजनीतिज्ञ थे। भारतीय स्वतंत्रता के शुरुआती दौर में उन्होंने देश के आर्थिक विकास और नीतियों को आकार देने में अहम भूमिका निभाई।

अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद चेट्टी ने वकालत के क्षेत्र में कदम रखा और जल्द ही एक प्रतिष्ठित वकील बन गए। उनकी आर्थिक नीतियों और व्यापारिक समझ ने उन्हें मद्रास चैंबर ऑफ कॉमर्स का अध्यक्ष बनने में मदद की। बाद में, वह मद्रास विधान परिषद और भारतीय विधान परिषद के सदस्य बने, जहाँ उन्होंने व्यापार, उद्योग और कराधान से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय रूप से काम किया।

चेट्टी की सबसे बड़ी उपलब्धि स्वतंत्र भारत के पहले वित्त मंत्री के रूप में रही। 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिलने के बाद, प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें यह महत्वपूर्ण पद सौंपा। 26 नवंबर 1947 को उन्होंने स्वतंत्र भारत का पहला बजट पेश किया, जिसमें विभाजन के कारण उत्पन्न आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए कर नीतियों और राजस्व उपायों का खाका तैयार किया। उनके नेतृत्व में, भारत ने अपने शुरुआती वित्तीय ढाँचे का निर्माण किया और युद्ध, विभाजन और शरणार्थी संकटों के बीच स्थिरता लाने का प्रयास किया। हालांकि, उन्होंने केवल एक वर्ष तक इस पद पर कार्य किया और 1949 में वित्त मंत्री के रूप में इस्तीफा दे दिया। आर. के. शन्मुखम चेट्टी को उनकी सरल जीवनशैली और निष्ठावान प्रशासनिक क्षमता के लिए याद किया जाता है। उन्होंने भारतीय उद्योगों को विकसित करने और व्यापारिक समुदाय के हितों को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शन्मुखम चेट्टी का निधन 6 मई 1953 को हुआ। उनका जीवन एक प्रेरक उदाहरण है कि किस प्रकार आर्थिक दूरदर्शिता और प्रशासनिक कुशलता से नवगठित राष्ट्र को दिशा दी जा सकती है। उनकी विरासत आज भी भारतीय वित्तीय प्रशासन के शुरुआती स्तंभों में गिनी जाती है।

जीवन ऊर्जा | अनिल कुंबले: जन्म- 17 अक्टूबर 1970 | जन्म

सकारात्मक सोच ही सफलता की नींव है

17 अक्टूबर 1970 को बैंगलोर, भारत में जन्मे अनिल कुंबले एक पूर्व क्रिकेटर और भारतीय राष्ट्रीय टीम के कप्तान हैं। अपनी लेग-स्पिन गेंदबाजी के लिए मशहूर, उन्होंने 619 टेस्ट विकेट लिए, जिससे वे भारत के सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बन गए। कुंबले को मैदान के अंदर और बाहर दोनों ही जगह उनकी नेतृत्व क्षमता और खेल भावना के लिए जाना जाता है।

सफलता का मतलब सर्वश्रेष्ठ होना नहीं है। इसका मतलब हमेशा बेहतर होते जाना है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि आप जितना ज़्यादा मेहनत करेंगे, आप उतने ही ज़्यादा भाग्यशाली होंगे। आप एक अच्छे खिलाड़ी हैं, यह साबित करने का एकमात्र तरीका है कि आप एक अच्छे खिलाड़ी बनें। कुछ असफलताओं के बिना आपका करियर शानदार नहीं हो सकता। खुद के प्रति ईमानदार और सच्चे रहें और आपको सफलता मिलेगी। क्रिकेट में, यह सिर्फ़ आपके द्वारा बनाए गए रनों के बारे में नहीं है, बल्कि आपके द्वारा दिखाए गए चरित्र के बारे में है। दृढ़ता सफलता की कुंजी है। कभी हार न मानें। परिणाम की चिंता न करें; अपने द्वारा किए गए प्रयास पर ध्यान केंद्रित करें। हर असफलता वापसी

के लिए एक सेटअप है। चुपचाप कड़ी मेहनत करें, सफलता को शोर मचाने दें। नेतृत्व का मतलब सिर्फ़ प्रभारी होना नहीं है; यह आपके प्रभार में आने वालों का ख्याल रखना है। जुनून के साथ खेलें, और परिणाम आपके पीछे आएंगे। महानता परिपूर्ण होने के बारे में नहीं है; यह इस बारे में है कि आप अपनी खामियों से कैसे निपटते हैं। हर हार में एक सबक होता है। हर दिन खुद को बेहतर बनाने का एक नया अवसर है। विनम्र बने रहें और कड़ी मेहनत करते रहें। सकारात्मक सोच ही सफलता की नींव है। अपने आस-पास ऐसे लोगों को रखें जो आपको चुनौती देते हैं और आपको आगे बढ़ने में मदद करते हैं। आप असफल हो सकते हैं, लेकिन उम्मीद मत खोइए; कोशिश करते रहिए। प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करें, और परिणाम खुद ही ठीक हो जाएंगे। अपनी क्षमताओं पर विश्वास करें और यात्रा पर भरोसा करें। जीवन की सबसे बड़ी चुनौती यह पता लगाना है कि आप कौन हैं। प्रतिभा से ज़्यादा प्रयास और रवैया सफलता को परिभाषित करते हैं। सफलता एक यात्रा है, मंज़िल नहीं। हमेशा याद रखें: जब प्रतिभा कड़ी मेहनत नहीं करती है तो कड़ी मेहनत प्रतिभा को हरा देती है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

राम नाम की माला जपना शुरू करें

(भाग 2)

कमाल के कहते ही सेठ जी ने दूसरी डुबकी बड़ी निराशा से धीमे स्वर से राम बोला और डुबकी मारी। इस बार भी कुछ नहीं हुआ और कोढ़ वैसा का वैसा ही रहा अरे निराश ना हो। अभी एक बार डुबकी बची है। नालगा दो डुबकी राम के नाम पर कमाल ने सेठ जी से कहा -

अच्छा कमाल ने इस समय हाथ में एक लकड़ी पकड़ रखी थी और ज्यों ही सेठ जी डुबकी मारने गंगा जी में झुके और नाम लेने को हुए त्यों ही कमाल ने वो लकड़ी का एक तेज प्रहार सेठ जी के सर पर कर दिया। राम अरे राम। लकड़ी के अचानक हुए प्रहार से भीषण दर्द हुआ और उस दुःख में हृदय की गहराई से सेठ जी ने बड़े आर्रात स्वर से राम को पुकारा और राम को पुकारते ही जैसे डुबकी लगा के बाहर निकले वैसे ही शरीर से कोढ़ गायब था। सेठ जी ने कोढ़ दूर करने के प्रयोजन से राम का नाम लिया और जब वो नाम बस एक बार पूरे अंतः करण से यानी मन बुद्धि चित्त और अहंकार को बस राम में लगाकर लिया तब उनका कोढ़ दूर हो गया।

उपस्थित भरी जनता राम नाम की जय और कमाल की भूरी भूरी प्रशंसा करने लगी।

तो भैया दम तो राम के नाम में ही हैबस हम ही बेदम से नाम लिए जाते है और राम को कोसे जाते है

एक बार वास्तव में नाम ले लेना संसार से तर जाने के लिए बहुत है

राम राम कहि जे जमुहाहि तिन्हहि न पाप पुंज समुहाहि

अरे जो उबासी आलस लेते समय भी अगर राम राम कह दे ना तो उसके कई जन्मों के पाप कटने लगते हैइस जन्म के नए पाप उसके पास नही आ पाते

सादर सुमिरन जे नर करहि भव बारिधि गोपद इव तरहि

फिर इस राम के नाम का जो श्रद्धा और विश्वास से स्मरण करेंगे तो वो ऐसे ही इस चौरासी लाख योनियों वाले संसार समुद्र से बड़ी सरलता से पार चले जायेंगे जैसे गौ माता के पैरो से हुए छोटे से गड्ढे से पार हो जाते है

मेरे महाराज जी कहते है की कही से तो शुरू करना है ना

झूठा ही राम राम राम राम कहते जाओबेमन से ही सही राम राम राम राम कहते जाओ

एक दिन आएगा जब राम की असीम दया हो जाएगी और अंतरात्मा से राम का नाम निकलेगा जो निर्वाणपूर्ण आनन्दपरम विश्राम प्रदान करवा देगा। तो करे ये की हर आती जाती श्वास के साथ राम राम राम राम की माला जपना शुरू करें दोष आपके जप में है राम के नाम में नही।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

ज़िन्दगी चलती जाती है !

जब जूलियो 10 साल का था तो उसका बस एक ही सपना था , अपने फेवरेट क्लब रियल मेड्रिड की ओर से फुटबाल खेलना ! वह दिन भर खेलता, प्रैक्टिस करता और धीरे-धीरे वह एक बहुत अच्छा गोलकीपर बन गया। 20 का होते-होते उसके बचपन का सपना हकीकत बनने के करीब पहुँच गया; उसे रियल मेड्रिड की तरफ से फुटबाल खेलने के लिए साइन कर लिया गया। खेल के धुरंधर जूलियो से बहुत प्रभावित थे और ये मान कर चल रहे थे कि बहुत जल्द वह स्पेन का नंबर 1 गोलकीपर बन जायेगा। 1963 की एक शाम , जूलियो और उसके दोस्त कार से कहीं घूमने निकले। पर दुर्भाग्यवश उस कार का एक भयानक एक्सीडेंट हो गया , और रियल मेड्रिड और स्पेन का नंबर 1 गोलकीपर बनने वाला जूलियो हॉस्पिटल में पड़ा हुआ था , उसके कमर के नीचे का हिस्सा पैरलाइज हो चुका था। डॉक्टर्स इस बात को लेकर भी आस्वस्थ नहीं थे कि जूलियो फिर कभी चल पायेगा, फ़ुटबाल खेलना तो दूर की बात थी। वापस ठीक होना बहुत लम्बा और दर्दनाक अनुभव था। जूलियो बिलकुल निराश हो चुका था , वह बार-बार उस घटना को याद करता और क्रोध और मायूसी से भर जाता। अपना दर्द कम करने के लिए वह रात में गाने और कविताएँ लिखने लगा। धीरे-धीरे उसने गिटार पर भी अपना हाथ आजमाना शुरू किया और उसे बजाते हुए अपने लिखे गाने भी गाने लगा। 18 महीने तक बिस्तर पर रहने के बाद , जूलियो अपनी ज़िन्दगी को फिर से सामान्य बनाने लगा। एक्सीडेंट के पांच साल बाद उसने एक सिंगिंग कम्पटीशन में भाग लिया और " लाइफ गोज ओन द सेम " गाना गा कर फर्स्ट प्राइज जीता। वह फिर कभी फ़ुटबाल नहीं खेल पाया पर अपने हाथों में गिटार और होंठों पे गाने लिए जूलियो इग्लेसियस संगीत की दुनिया में Top Ten सिंगर्स में शुमार हुआ ,और अब तक उनके 30 करोड़ से अधिक एल्बम बिक चुके हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

18 से 19 आयु वर्ग में भी महिला मतदाता आगे

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। महाराष्ट्र में एक ही चरण में वोटिंग होगी और मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज करने के लिए युवा बेताब दिख रहे है। आज के युवाओं में राजनीतिक समझ भी है। इसलिए इस बार मुद्दों पर आधारित माहौल बनाना चाहते हैं। युवाओं का कहना है कि जो सर्वांगीण विकास के लिए काम करे, वैसे ही प्रत्याशी का चयन वह अपने प्रतिनिधि के रूप में करेंगे। यंगिस्तान को राज्य संभालने वाला दूरदर्शी, युवा और सक्रिय लीडर चाहिए। जो, विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, शहर के विकास के मुद्दे और बेरोजगारी जैसे गंभीर विषयों के अनुरूप काम करे। युवा ऐसी सोच रखनेवाले को ही अपना मत देंगे।

विधानसभा चुनाव को लेकर तैयार युवा वोटर

यंगिस्तान मांगे यंग लीडर

1 दूरदर्शी जनप्रतिनिधि की जरूरत

रांची जिले के युवा विश्वविद्यालयों में गुणात्मक शिक्षा की मांग कर रहे है। लेकर बेहतर सुविधा मिले। विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय अध्ययन की सुविधा मिलने से राज्य से पलायन कम होगा। युवाओं ने कहा कि दूरदर्शी जनप्रतिनिधि ही इस दिशा में सोच सकता है। शैक्षणिक गुणवता बढ़ाने के साथ आइटी हब को स्थापित करने की जरूरत है। जिससे रोजगार की संभावना बढ़ेगी, शिक्षा का बेहतर माहौल भी तैयार होगा।

2 युवाओं की सत्ता में बढ़े भागीदारी

प्रतियोगिता परीक्षा के पेपर लीक की लगातार हो रही घटनाओं से युवाओं में गहरी निराशा है। युवा भविष्य को लेकर चिंतित हैं। साल दर साल बीत रहा है, लेकिन प्रतियोगिता परीक्षा का परिणाम नहीं निकल रहा है। युवाओं के सपने टूट रहे हैं। बेरोजगारी का दंश झेल रहे युवाओं का कहना है कि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो, इसके लिए सरकार के स्तर से कड़ा कदम उठाना चाहिए। यह तभी होगा, जब सत्ता में युवाओं की भागीदारी बढ़ेगी। युवा ही युवा का दर्द समझ सकेंगे।

3 लचर स्वास्थ्य व्यवस्था में हो सुधार

युवाओं ने कहा कि प्रत्याशी को स्वास्थ्य सुविधा में सुधार के लिए पहल करनी चाहिए। लचर स्वास्थ्य व्यवस्था से आम आदमी परेशान है। सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर है। इसमें सुधार के लिए ठोस कदम उठाये जायें। जिससे आम लोगों को राहत मिले। स्वास्थ्य का मुद्दा राज्य के लिए काफी अहम है। झारखंड गठन के बाद भी इसमें अभी तक अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। इलाज के लिए अभी भी लोग निजी स्वास्थ्य व्यवस्था के आसरे हैं।

4 विकास के विजन को महत्व देंगे

युवाओं का जोर विकास पर है। युवाओं का कहना है कि विकास का मतलब सिर्फ सडक, नाली और फ्लाइओवर का निर्माण मात्र नहीं है। युवाओं के भविष्य निर्माण पर फोकस करनेवाला नेतृत्व होना चाहिए, जिसके पास यह दृष्टि होगी, उसी को युवा प्राथमिकता देंगे। शिक्षा को सर्वोच प्राथमिकता मिले और सरकारी कॉलेज व स्कूलों में खाली पड़े पद प्राथमिकता के आधार पर भरे जायें।

5 योग्यता को बनायेंगे चयन का आधार

युवाओं का कहना है कि इस बार के चुनाव में प्रत्याशी चयन में योग्यता और पृष्ठभूमि को ध्यान में रखेंगे। क्योंकि, जिस प्रत्याशी की बेहतर पृष्ठभूमि होगी, योग्यता होगी तो वह उसके अनुरूप क्षेत्र के विकास में सक्रियता के साथ कार्य भी करेगा। प्रत्याशी चयन का आधार योग्यता और पृष्ठभूमि होगी, तभी वातावरण बदलेगा और विकास होगा।

6 जरूरत के हिसाब से योजना बनाये

जो इलाके की जरूरत को ध्यान में रखकर योजनाओं का चयन करे, वैसे ही प्रत्याशी को चुनेंगे। अक्सर यह देखा गया है कि चुनाव जीतते ही प्राथमिकता बदल जाती है। इसलिए इस बार प्रत्याशी चयन के पहले यह देखेंगे कि वे कितना जवाबदेह हैं और कितना गंभीर रह सकते हैं। युवाओं को विकास और शिक्षा से जोड़ने की पहल होनी चाहिए।

फर्स्ट टाइम वोटरों में उत्साह

पहली बार वोट करना है। इसलिए इस बार युवाओं के लिए रोजगार उपलब्ध कराने और महाराष्ट्र के विकास के आधार पर वोट करेंगे। वोट करने की खुशी है। इस बार उम्मीद है कि अच्छे उम्मीदवार चुन कर आयेंगे। वह केवल चुनावी भाषण तक सीमित नहीं रहे।

– संजय काटकर, डोंबिवली

महाराष्ट्र में अभी भी कई चीजों पर काम करना बाकी है। इस बार ऐसे प्रतिनिधि को चुनना है, जो युवाओं के लिए शिक्षा और चिकित्सा पर काम करे।

– जगरानी देशमुख, कल्याण

नेता को ईमानदार और पारदर्शी होना चाहिए। नेता में जनता की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए प्रभावी नीतियां बनाने की क्षमता होनी चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में बदलाव करने की आवश्यकता है।

– उज्ज्वल शिंदे, मुलुंड

ऐसा उम्मीदवार होना चाहिए जो युवाओं के हित के बारे कुछ सोचे। महाराष्ट्र में उद्योग धंधा लगाया जाये, जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा। साथ ही कानूनी व्यवस्था में सुधार लाने के साथ काम किया जाये।

– विष्णु देसाई, विरार

वोट की कीमत पता है। अपना पहला वोट ऐसे प्रतिनिधि को दूंगा, जो योग्य एवं शिक्षित होगा। शिक्षित प्रतिनिधि ही समाज में बदलाव ला सकता है। साथ ही बेहतर सरकार संचालन में अपनी भागीदारी दर्ज कर सकता है।

– वसीम अहमद, भिवंडी

प्रतिनिधि ऐसा चाहिए, जो हमें अच्छी सुविधा उपलब्ध कराये। अच्छी स्कॉलरशिप और शिक्षक की व्यवस्था कराये। जो बच्चे आर्थिक सक्षम नहीं हों, उनको नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त कराये। साथ ही चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर करे। इस बार युवा काफी सोच समझ कर ही वोट करेंगे।

– पलक गुप्ता, दिवा

सत्ता संग्राम राष्ट्रीय राजनीति के साथ केरल की सियासत को साधने की कोशिश

प्रियंका गांधी को वायनाड से उम्मीदवार बनाकर कांग्रेस ने साधे कई समीकरण

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस ने आखिरकार पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को वायनाड उपचुनाव में अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। इसके साथ ही प्रियंका की चुनावी राजनीति में शुरुआत हो गई है। पार्टी ने बहुत सोच समझकर वायनाड से उनको चुनाव मैदान में उतारा है। इनके जरिए पार्टी ने राष्ट्रीय राजनीति के साथ केरल की सियासत को साधने की कोशिश की है। केरल में वर्ष 2026 में विधानसभा चुनाव हैं।

लंबे वक्त से थी यह मांग

पार्टी के अंदर लंबे वक्त से यह मांग उठती रही है कि प्रियंका को चुनाव मैदान में उतरना चाहिए पर कांग्रेस ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। उप्र विधानसभा चुनाव में भी यह मांग पूरी शिद्दत से उठी थी कि प्रियंका गांधी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाए, पर पार्टी चुप्पी साधे रही। हालांकि लोकसभा में दो सीट से चुनाव जीतने के बाद राहुल गांधी ने जब वायनाड सीट छोड़ने का ऐलान किया, तभी प्रियंका गांधी को प्रत्याशी घोषित कर दिया गया था।

संदेश देने की कोशिश

प्रियंका गांधी को उम्मीदवार बनाकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि कांग्रेस ने वायनाड के साथ कोई धोखा नहीं किया है। राहुल गांधी ने अगर रायबरेली सीट चुनी है, तो अपनी बहन को वायनाड भेजा है। क्योंकि, दक्षिण में कर्नाटक के अलावा पार्टी की स्थिति बहुत मजबूत नहीं है। प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने से यह संदेश जाएगा कि कांग्रेस दक्षिण को लेकर गंभीर है। लोकसभा चुनाव में पार्टी केरल की 20 में 14 सीट पर अपनी जीत दर्ज करने में सफल रही थी।

उत्तर व दक्षिण में संतुलन

केरल में कांग्रेस सत्ता से बाहर है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के बाद जीत की उम्मीद जगी थी, पर 2021 विधानसभा में लेफ्ट गठबंधन एक बार फिर जीत दर्ज करने में सफल रहा। ऐसे में पार्टी कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाने के लिए पार्टी ने प्रियंका गांधी को केरल भेजा है। पार्टी को उम्मीद है कि प्रियंका गांधी का असर विधानसभा चुनाव पर भी दिखाई देगा। इसके साथ प्रियंका गांधी के जरिए पार्टी ने उत्तर व दक्षिण में संतुलन बनाया है।

प्रियंका गांधी के संसद में पहुंचने से कांग्रेस को फायदा

प्रियंका गांधी जीतकर संसद पहुंचती है, तो कांग्रेस को लोकसभा में हिंदी में मजबूती के साथ अपनी बात रखने वाला वक्ता मिल जाएगा। क्योंकि, लोकसभा में पार्टी के पास हिंदी में भाषण देने वाले वक्ताओं की कमी है, जबकि सत्तापक्ष में प्रधानमंत्री सहित तमाम नेता हिंदी में अपनी बात रखते हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि प्रियंका गांधी के संसद में पहुंचने से कांग्रेस को फायदा होगा। उन्होंने इन अटकलों को खारिज कर दिया कि भाजपा एक बार फिर परिवारवाद का मुद्दा उठा सकती है। वह मानते हैं कि सियासत में परिवारवाद अब कोई मुद्दा नहीं रहा है।

विधानसभा जानें

माहिम विधानसभा सीट का चुनावी इतिहास

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई है, ऐसे में माहिम विधानसभा सीट जो मुंबई शहर में आती है। इसका चुनावी मिजाज शिवसेना से प्रभावी दिखाई पड़ता है। ऐसा इसलिए क्योंकि पिछले 6 चुनाव में यहां की जनता ने एक बार राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को मौका दिया है, तो वहीं लगातार पांच बार यहां से शिवसेना के विधायक जीत कर आए हैं। माहिम विधानसभा सीट सामान्य श्रेणी में आती है। वर्तमान में यहां शिवसेना के सदा सरवणकर विधायक हैं, जो लगातार दो चुनाव जीत चुके हैं और वे मौजूदा शिवसेना [शिंदे गुट] के साथ है। मुंबई में शिवसेना का खासा प्रभाव माना जाता है, शायद यही कारण है जो पिछले 6 चुनावों में शिवसेना ने यहां 5 बार जीत दर्ज की है। इस बार शिवसेना [शिंदे] यहां उम्मीदवार बदलती है या नहीं तथा किसे उम्मीदवार बनाती है यह देखने लायक होगा।

अबतक 11 चुनाव

माहिम सीट पर साल 1927 से लेकर अबतक 11 चुनाव हो चुके है, जिसमे से 2 बार कांग्रेस जीती है, तो वहीं JNP, JNP [JP] तथा राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने एक-एक बार जीत दर्ज की है। इस सीट पर सबसे ज्यादा दबदबा शिवसेना के रहा है, जिसने यहां 6 चुनाव जीतकर इतिहास बनाया है।

इस बार का राजनीतिक समीकरण

वर्तमान में माहिम सीट शिवसेना के पास ही है और विधायक सदा सरवणकर शिंदे गुट वाली शिवसेना में शामिल है। इस बार यह देखना दिलचस्प होगा कि उद्धव गुट वाली शिवसेना यहां किसे उम्मीदवार बनाती है, हालांकि अभी महायुति में सीट शेयरिंग का खाका तैयार नहीं हुआ है।

वर्ष	उम्मीदवार	पार्टी	टोटल वोट
2019	सदा सरवणकर	एसएचएस	61337
2014	सदा सरवणकर	एसएचएस	46291
2009	नितिन सरदेसाई	मनसे	48734
2004	सुरेश अनंत गंभीर	एसएचएस	35585
1999	गंभीर सुरेश अनंत	एसएचएस	40883
1995	गंभीर सुरेश अनंत	एसएचएस	45601
1990	गंभीर सुरेश अनंत	एसएचएस	37587
1985	शाम शेट्टी	कांग्रेस	23416
1980	पिंटो फ्रेडरिक माइकल	जेएनपी (जेपी)	25254
1978	पिंटो फ्रेडरिक माइकल	जेएनपी	42774
1972	पी.एफ. माइकल पीटर	कांग्रेस	39508

खबर संक्षेप

आबूरोड में लुनियापुरा ब्रिज निर्माण कार्य में देरी

सिरोही: आबूरोड में बढ़ते यातायात को नियंत्रित करने के लिए लुनियापुरा क्षेत्र में ब्रिज निर्माण कार्य शुरू किया गया था, लेकिन यह कार्य लंबे समय से अधर में है। शहर के तेजी से विकास के कारण यातायात का दबाव बढ़ता जा रहा है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्य में बिजली के पोल रुकावट पैदा कर रहे हैं। डिमांड राशि जमा करने के बावजूद पोल को शिफ्ट नहीं किया गया है। इसके अलावा, शहर में सीवरेज और पानी की आपूर्ति के काम भी बिना योजना के चल रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों में सड़कें खोदी जा रही हैं, जिससे आम जनता को काफी परेशानी हो रही है।

अमरोहा के रजबपुर गांव में तेंदुए की दहशत

अमरोहा। तेंदुआ पालतू जानवरों को निशाना बना रहा है, और अब रजबपुर गांव में खौफ फैल गया है। हाल ही में तेंदुआ रात के करीब 1 बजे एक घर की दीवार फांदकर आंगन में बंधी बकरी को उठाकर ले गया। गन्ने के खेत में ले जाकर उसने बकरी को मार डाला। बकरी की आवाज सुनकर परिवार की महिला सदस्य सरोज देवी जाग गईं और उन्होंने तेंदुए को बकरी के साथ जाते हुए देखा। शोर मचाने पर परिवार के अन्य सदस्य जागे, लेकिन तब तक तेंदुआ बकरी को खेत में ले जा चुका था। सुबह जब ग्रामीणों ने गन्ने के खेत में जाकर देखा, तो बकरी के अवशेष मिले। इस घटना से गांव में डर का माहौल बना हुआ है। वन विभाग को तुरंत सूचना दी गई, और वन विभाग की टीम, वन दारोगा नैपाल सिंह के नेतृत्व में, मौके पर पहुंची। ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई है।

मीणा समाज का प्राचीन भूरासिद्ध मंदिर पर प्रदर्शन

अलवर: मीणा समाज ने प्राचीन भूरासिद्ध मंदिर के मामले को लेकर मिनी सचिवालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने जिला पुलिस अधीक्षक और जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर मामले की जानकारी दी। मीणा समाज के अध्यक्ष बृजेश कुमार मीणा ने बताया कि समाज के यादराम मीणा, जो राजस्थान और गुजरात के मुख्य न्यायाधीश रह चुके हैं, ने इस मंदिर का निर्माण किया था। लेकिन वर्तमान में, योगेश दास महाराज, जो खुद को महंत बताता है, ने अवैध कब्जा कर लिया है। उन्होंने पुजारी के साथ मारपीट भी की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। समाज की महिलाएं भी गीत गाकर प्रदर्शन कर रही हैं। मीणा समाज ने चेतावनी दी है कि अगर मंदिर को जल्द नहीं मुक्त कराया गया, तो वे बड़ा संघर्ष करेंगे।

वाराणसी में बनेगा देश का सबसे चौड़ा रेल-रोड पुल

पीएम मोदी की काशी को कैबिनेट की बड़ी सौगात

एजेंसी । वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में गंगा पर देश का सबसे चौड़ा रेल और रोड पुल बनाया जाएगा। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को इसकी मंजूरी दे दी। गंगा पर 137 साल पुराने मालवीय पुल के ठीक बगल में बनने वाले इस पुल पर ऊपर छह लेन की सड़क और नीचे चार लाइन का रेल ट्रैक होगा। पीएम मोदी इसी रविवार वाराणसी को अरबों की सौगात देने भी आ रहे हैं। माना जा रहा है कि इस दौरान पुल का शिलान्यास भी हो सकता है। इस पुल के बनने से यूपी से बिहार और पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में रेल और सड़क मार्ग से आवागमन आसान और किफायती हो जाएगा।

150 साल के लिए बना है डिजाइन

150 साल के लिए सिग्नेचर ब्रिज को डिजाइन किया गया है। सिग्नेचर ब्रिज निर्माण के दौरान जो फाउंडेशन होगा, वह नदी के सतह से 120 फीट गहरा होगा। उसके ऊपर पीलर और फिर ब्रिज होगा। यह इकोनिक स्ट्रक्चर बनेगा।

चार साल में होगा तैयार

पुल के बारे में जानकारी देते हुए रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपनी प्रजेंटेशन में बताया कि इसका डीपीआर भी फाइनल हो गया है। चार लेन का रेलवे ट्रैक और सिक्सलेन की ऊपर सड़क का ब्लू प्रिंट भी साझा किया। रेलमंत्री ने बताया कि आने वाले 100 साल पहले की रेलवे और सड़क यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए इस सिग्नेचर ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। इसे 2028 यानी चार साल में तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। अपने प्रजेंटेशन में उन्होंने बताया कि 137 साल पुराने मालवीय पुल के 50 मीटर सामानांतर बनने वाले सिग्नेचर ब्रिज से काशी, चंदौली, बिहार, एमपी और छत्तीसगढ़ का जुड़ाव होगा। चारों दिशाओं में परिवहन को रफ्तार मिलेगी।

एक किलोमीटर से ज्यादा लंबाई

उन्होंने बताया-काशी स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार से यह ब्रिज नजदीक होगा। नमो घाट से सटे हुए इस पुल के लिए जलमार्ग, रेलवे, सड़क और वायु मार्ग का भोगौलिक परीक्षण हुआ है। यह पुल एक किलोमीटर से थोड़ा अधिक लंबा होगा।

2642 करोड़ की लागत

करीब 2642 करोड़ की लागत से बनने वाले नए पुल से हर साल 8 करोड़ लीटर डीजल यानी 638 करोड़ रुपये की भी बचत होगी। अभी चंदौली से वाराणसी आने वाले बड़े वाहनों को 137 साल पुराने मालवीय पुल पर चढ़ना प्रतिबंधित है। ऐसे में इन वाहनों को डाफी बाइपास से आना होता है। इससे समय और ज्यादा डीजल खर्च करना होता है। काशी स्टेशन के पास से शुरू होने वाले पुल के बनने से एक साथ यहां पर चार तरह की पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। काशी स्टेशन के ठीक बगल में ही नमो घाट के पास गंगा पर फेरी सर्विस, हेली सेवा, रोपे-वे और रोड ट्रांसपोर्ट की सेवा एक ही स्थान पर मिल सकेगी। यहीं पर विश्व का सबसे बड़ा पानी पर तैरता सीएनजी स्टेशन भी पहले से स्थापित है। नए प्रोजेक्ट के लिए रेलवे, पीडब्लूडी, नगर निगम, जल-कल सभी की एनओसी पहले ही मिल चुकी है।

युवा कांग्रेस का अभियानः 'नशा नहीं, न्याय चाहिए' - बेरोजगारी और नशे के खिलाफ एकजुटता

एजेंसी । सहरसा

सहरसा में बुधवार को युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव सुदीप कुमार सुमन के नेतृत्व में 'नशा नहीं, न्याय चाहिए' और 'बेरोजगार युवा को नौकरी दो' जैसे पोस्टरों का अनावरण किया गया। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी और नशे की समस्या को उजागर करना है। पोस्टर लॉन्च के दौरान सुमन ने कहा कि यह आंदोलन दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू हुआ है, जहां युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानू के नेतृत्व में युवाओं की आवाज उठाई जा रही है।

केंद्र सरकार के वादों का जिक्र

सुमन ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने हर साल दो करोड़ नौकरियों का वादा किया था, लेकिन अब तक यह वादा पूरा नहीं हुआ। इसके बजाय, नशीले पदार्थों का बढ़ता कारोबार दर्शाता है कि सरकार युवाओं को नशे में धकेलने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नशे के प्रसार से युवाओं का भविष्य खतरे में है और सरकार की निष्क्रियता इसे बढ़ावा दे रही है।

नशे के खिलाफ जंग

युवा कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि देश में नशीले पदार्थों का कारोबार सरकार के संरक्षण में चल रहा है। सुमन ने गुजरात के अदानी पोर्ट पर पकड़े गए करोड़ों रुपये के मादक पदार्थों का उदाहरण देते हुए सरकार की मंशा पर सवाल उठाए और कहा कि सरकार इस अवैध कारोबार को रोकने में असफल रही है।

बिहार में शराबबंदी पर सवाल

बिहार में शराबबंदी की स्थिति पर भी सुमन ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भले ही बिहार में शराब प्रतिबंधित है, लेकिन यह चोरी-छिपे बेची जा रही है। यह सरकार की नीयत और उसकी नीतियों की विफलता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार तीन तलाक और मॉब लिंचिंग जैसे मुद्दों पर तो कानून बना रही है, लेकिन नशीले पदार्थों के खिलाफ ठोस कानून नहीं बना रही।

किसानों को कृषि यंत्रों पर सरकार की बड़ी राहत, ऑनलाइन होगी बुकिंग

एजेंसी । महराजगंज

यूपी सरकार ने किसानों को कृषि यंत्रों की खरीद पर विशेष राहत दी है। किसी भी प्रकार की धांधली रोकने के लिए सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन की जाएंगी। कृषि यंत्रीकरण योजनाओं के तहत यंत्रों के लिए बुकिंग नौ अक्टूबर से शुरू हो चुकी है और 23 अक्टूबर की रात 12 बजे तक जारी रहेगी।

ऑनलाइन आवेदन और ई-लॉटरी से होगा लाभार्थियों का चयन

किसान विभागीय पोर्टल पर जाकर कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए टोकन निकाल सकते हैं। दस हजार एक रुपये से लेकर एक लाख रुपए तक के अनुदान वाले यंत्रों के लिए जमानत राशि 2500 रुपए होगी, जबकि एक लाख से अधिक अनुदान वाले यंत्रों के लिए 5000 रुपए जमानत राशि रखी गई है।

गुन्नौर में कंटेनर घुसा शराब की दुकान में, बड़ा हादसा टला

एजेंसी । गुन्नौर

दिल्ली-बदायूं हाईवे पर देर रात बड़ा हादसा होते-होते बचा जब एक कंटेनर देसी शराब की दुकान में घुस गया। रात करीब 11:30 बजे हुए इस हादसे में शराब की दुकान और उसके साथ स्थित बाइक मैकेनिक रामभूप की दुकान को भारी नुकसान पहुंचा। कंटेनर चालक को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ, जिसमें चालक और परिचालक दोनों घायल हो गए। कंटेनर बदायूं की ओर से आ रहा था और अचानक सड़क की दूसरी ओर डिवाइडर पार कर देसी शराब की दुकान में घुस

गया। टक्कर इतनी तेज थी कि दुकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत यह रही कि घटना देर रात की थी, जिससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक और परिचालक को निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। ठेके के प्रबंधक चिरंजीलाल के अनुसार, दुकान को काफी नुकसान पहुंचा है। कंटेनर हटाए जाने के बाद ही नुकसान का सही आकलन हो सकेगा।

असदुद्दीन ओवैसी की कचहरी में पेशी, आरोपित के भड़काऊ बयान पर गरमाया माहौल

एजेंसी । हापुड़

जानलेवा हमले के मामले में दर्ज मुकदमे की सुनवाई के चलते ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी बुधवार को हापुड़ कचहरी पहुंचे। जेड सुरक्षा के बीच पहुंचे ओवैसी ने अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ज्ञानेंद्र यादव की अदालत में अपने बयान दर्ज कराए। ओवैसी के काफिले पर फरवरी 2022 में पिलखुवा के छिजारसी टोल प्लाजा के पास फायरिंग की गई थी, जिसमें सचिन, शुभम, और आलीम को आरोपित बनाया गया था। इन तीनों ने भी अपने बयान अदालत में दर्ज कराए।

सख्त सुरक्षा के बीच पेश हुए ओवैसी

कचहरी परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अदालत में पेशी के दौरान ओवैसी ने वहीं आरोपित सचिन ने देते हुए कहा, रहिंदुओं को धर्म के लिए आक्रामक होना पड़ेगा, जितना आक्रामक होंगे, धर्म उतना ही मजबूत होगा।

अपनी गवाही दर्ज कराई, भड़काऊ बयान

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

ओवैसी की पेशी के दौरान कचहरी परिसर छावनी में तब्दील हो गया था। एसडीएम शुभम श्रीवास्तव और सीओ सिटी जितेंद्र शर्मा सुरक्षा बलों के साथ खुद मौके पर मौजूद थे। अधिवक्ताओं और वादकारियों की कड़ी जांच के बाद ही उन्हें कचहरी में प्रवेश की अनुमति दी गई। ओवैसी के न्यायालय से बाहर निकलने पर कुछ अधिवक्ताओं ने उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने किसी को पास नहीं जाने दिया। सचिन, शुभम और आलीम तीनों जमानत पर जेल से बाहर हैं और उनके खिलाफ हत्या के प्रयास, षड्यंत्र और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है। मामले की सुनवाई लगातार चल रही है और गुरुवार को भी अदालत में बहस जारी रहेगी।

वाराणसी में खेल प्रेमियों को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का तोहफा, PM मोदी करेंगे उद्घाटन

एजेंसी । वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में खेल प्रेमियों को एक और बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। 20 अक्टूबर को पीएम मोदी सिगरा स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के फेज-2 और फेज-3 का उद्घाटन करेंगे। पहले चरण का उद्घाटन 2023 में किया जा चुका है। स्टेडियम के पुनर्विकास में कुल 325.65 करोड़ रुपये की लागत आई है, जिससे पूर्वांचल के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिलेंगी। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश खेलों का हब बन रहा है। खेल के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के साथ खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं मिल रही हैं। स्टेडियम में बैडमिंटन, तैराकी, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स जैसे 20 से अधिक खेलों की सुविधाएं होंगी, जो पूर्वांचल के खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका देंगी। फेज-2 में शूटिंग स्पोर्ट्स के लिए 10 मीटर और 25 मीटर रेंज, जबकि फेज-3 में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, और एथलेटिक ट्रैक जैसी खेलों की सुविधाएं होंगी। इसके साथ ही खिलाड़ियों के लिए आधुनिक हॉस्टल और कोच के लिए रहने की व्यवस्था भी की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'पदक लाओ, पद पाओ' योजना के तहत खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिल रहा है।

व्यापार जगत

बड़ौदा बीएनपी पारिबा म्यूचुअल फंड का निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स फंड लॉन्च

एजेंसी । मुंबई

बड़ौदा बीएनपी पारिबा म्यूचुअल फंड ने अपना न्यू फंड ऑफर (एनएफओ), बड़ौदा बीएनपी पारिबा निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह एनएफओ 14 अक्टूबर 2024 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है और 28 अक्टूबर 2024 तक इसमें निवेश किया जा सकता है। यह पैसिवली मैनेज्ड, लो कास्ट (कम लागत वाला) इक्विटी फंड निवेशकों को संभावित रूप से हाई ग्रोथ वाले मिडकैप शेयरों में निवेश का अवसर देता है। यह स्कीम एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स की तुलना में निवेशकों को अलग अलग सेक्टर में बेहतर तरीके से डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो प्रदान करती है। इस स्ट्रैटेजी से किसी एक ही सेक्टर में निवेश करने को लेकर जो रिस्क होता है, वह कम होता है।

इस तरह काम करेगा यह फंड

बड़ौदा बीएनपी पारिबा निफ्टी मिडकैप 150 इंडेक्स फंड का लक्ष्य निफ्टी मिडकैप 150 टोटल रिटर्न इंडेक्स के प्रदर्शन को ट्रैक करना है, जिसमें ऐसी मिडकैप कंपनियां शामिल होता है जो भविष्य में लार्ज कैप की कैटेगरी में आने की क्षमता रखती हैं। इस फंड में निवेश के जरिए, निवेशक कैपिटल गुड्स, केमिकल्स, रियल एस्टेट और टेक्सटाइल जैसे सेक्टर में एक्सपोजर हासिल कर सकते हैं, जिनका निफ्टी 50 इंडेक्स में या तो बहुत कम प्रतिनिधित्व है या वे इंडेक्स में मौजूद ही नहीं हैं।

एसआईपी के लिए भी बेहतर विकल्प

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) शुरू करने के लिए भी यह फंड एक बेहतर विकल्प है। पिछले 15 साल में निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई में 10,000 रुपए की मंथली एसआईपी की वैल्यू अब 1 करोड़ रुपए से अधिक हो गई, जो रेगुलर निवेश के जरिए वेल्थ क्रिएशन की क्षमता को दर्शाता है। डायवर्सिफिकेशन, उभरते ग्रोथ सेक्टर में निवेश और लंबी अवधि में हाई रिटर्न की क्षमता चाहने वाले निवेशक इस फंड पर विचार कर सकते हैं।

अगले सोमवार को खुल रहा है वारी एनर्जीज का आईपीओ

एजेंसी । मुंबई

सौलर पैनल बनाने वाली कंपनी मुंबई की एक कंपनी है, वारी एनर्जीज। इस कंपनी का 4,321 करोड़ रुपए का आईपीओ आ रहा है। इसने अपने आईपीओ के लिए 1,427 से 1,503 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 21 अक्टूबर को खुलेगा। इसमें निवेशक आगामी 23 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं।

क्या है प्राइस बैंड

वारी एनर्जीज के एक शेयर का प्राइस बैंड 1427 रुपए से 1503 रुपए तय किया गया है। इसके लिए मिनिमम लॉट साइज 9 शेयरों का तय किया गया है। मतलब कि रिटेल इनवेस्टर्स को कम से कम 13,527 रुपए का निवेश करना होगा। इस आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग ओडिशा में 6 गीगावाट की इंगट वेफर, सोलर सेल और सोलर पीवी मॉड्यूल विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए किया जाएगा।

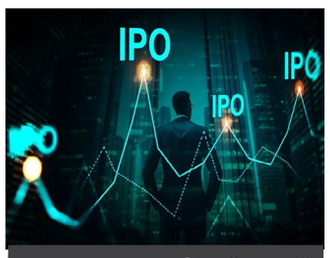

क्या है जीएमपी

ग्रे मार्केट में इस आईपीओ की कुछ ज्यादा ही पूछ हो रही है। बुधवार को दोपहर ढाई बजे ग्रे मार्केट में इसका 1,440 रुपये का प्रीमियम कोट किया जा रहा था।

क्या है कंपनी की योजना

इस आईपीओ के जरिये कंपनी 3600 करोड़ रुपए के 2.4 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। इसी के साथ कंपनी के प्रोमोटर्स और शेयरधारक 48 लाख शेयरों का ऑफर फोर सेल या ओएफएस लेकर आ रहे हैं। ओएफएस के जरिये 72.144 करोड़ रुपए जुटाने की कोशिश है। इस आईपीओ में बड़े (एंकर) निवेशक 18 अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे।

पीयूष गोयल ने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के महत्व पर दिया जोर

एजेंसी । नई दिल्ली

केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उद्योग जगत को वैश्विक बाजारों में सफलता के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। बुधवार को भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन फाउंडेशन (आईएफक्यूएम) की संगोष्ठी के समापन सत्र में बोलते हुए उन्होंने कहा कि निर्यात प्रतिस्पर्धा सरकारी सब्सिडी या सहायता से नहीं बढ़ सकती। गोयल ने स्पष्ट किया कि मोदी सरकार उद्योगों को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण के लिए प्रेरित कर रही है, लेकिन इस दिशा में प्रयास उद्योगों को स्वयं करने होंगे।

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर बंद

एजेंसी । मुंबई

देश के शेयर बाजार में 16 अक्टूबर 2024 (बुधवार) को गिरावट देखने को मिली। प्रमुख सूचकांकों में से बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही लाल निशान पर बंद हुए। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का संवेदी सेंसेक्स 318.76 अंक या 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,501.36 पर रहा। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी भी 86.05 अंक (0.34 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 24,971.30 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की गिरावट का प्रभाव

इस दिन करीब 1935 शेयरों में तेजी आई, जबकि 1846 शेयरों में गिरावट देखी गई। निफ्टी में ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, हीरो मोटोकॉर्प, इंफोसिस और अदानी पोर्ट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। वहीं, एचडीएफसी लाइफ, डॉ रेड्डीज लैब्स, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स में 30 में से 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इनमें एमएंडएम, इंफोसिस और कोटक महिंद्रा बैंक शामिल हैं, जिनमें 3 प्रतिशत तक की कमी आई। वहीं, भारतीय रुपया भी थोड़ा मजबूत होकर 83.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला था, जिसमें सेंसेक्स 158.71 अंक की कमी के साथ 81,661.41 पर और निफ्टी 32.90 अंक की गिरावट के साथ 25,024.40 पर खुला।

48 लाख कर्मियों और 67 लाख पेंशनरों को मिला 3% महंगाई भत्ता

केंद्र सरकार ने बढ़ाई डीए दर

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने लगभग एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनरों को महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में तीन प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को इस वृद्धि के प्रस्ताव पर मुहर लगाई। अब पहली जुलाई से देय महंगाई भत्ते की दर 50 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत हो गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी।

डीए/डीआर की घोषणा में देरी से असंतोष

आमतौर पर, केंद्र सरकार सितंबर में डीए/डीआर की दरों की घोषणा करती थी, लेकिन इस बार इसमें देरी हुई। कई कर्मचारी संगठनों ने वित्त मंत्री से पत्र लिखकर इस बढ़ोतरी की मांग की थी। महासचिव एसबी यादव ने वित्त मंत्री को पत्र लिखकर कहा था कि महंगाई भत्ते की घोषणा में देरी से केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों में असंतोष है। विशेषज्ञों का कहना है कि केंद्र सरकार की ओर से डीए/डीआर की दरों में बढ़ोतरी की घोषणा कई माह देरी से की जाती है, जिससे सरकार को वित्तीय लाभ होता है।

महंगाई भत्ते की वृद्धि से कर्मचारियों को फायदा

- महंगाई भत्ते की इस वृद्धि से कर्मचारियों की सैलरी में भी इजाफा होगा। उदाहरण के लिए:
- यदि किसी कर्मचारी का मूल वेतन 18,000 रुपए है, तो उसे हर माह लगभग 540 रुपए का फायदा होगा।
- 25,000 रुपए के मूल वेतन पर लाभ 750 रुपए होगा।
- 35,000 रुप की बेसिक सैलरी पर यह बढ़कर 1,050 रुपए हो जाएगा।
- 45,000 रुपए की बेसिक सैलरी पर कर्मचारियों को लगभग 1,350 रुपए का इजाफा मिलेगा।
- 52,000 रुपए की बेसिक सैलरी वाले कर्मियों को हर माह 1,560 रुपए का फायदा होगा।
- 70,000 रुपए की बेसिक सैलरी पर कर्मचारियों को 2,100 रुपए का लाभ होगा।
- 85,500 रुपए की बेसिक सैलरी पर 2,565 रुपए का इजाफा होगा।
- 1,00,000 रुपए की बेसिक सैलरी वाले कर्मियों के खाते में हर माह 3,000 रुपए से अधिक की बढ़ोतरी होगी।

महिला टी-20 विश्व कप

ऑस्ट्रेलिया की निगाह लगातार आठवें फाइनल पर

- 7 मैच विश्व कप में दोनों ने खेले हैं और सभी में ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को मात दी है
- 10 मैच खेले हैं आपस में जिसमें से ऑस्ट्रेलिया ने नौ और दक्षिण अफ्रीका ने एक जीता है

एजेंसी । दुबई

अजेय ऑस्ट्रेलियाई टीम गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका पर जीत के साथ लगातार आठवीं बार महिला टी-20 विश्व कप के फाइनल में जगह बनाने उतरेगी। छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 2009 के शुरुआत संस्करण को छोड़कर हर बार खिताबी मुकाबले में पहुंचा है। दोनों टीमें पिछली बाद खिताब के लिए आमने-सामने हुई थी जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 19 रन से हराकर ट्रॉफी जीती थी। अब दक्षिण अफ्रीका के पास उस हार कर हिसाब चुकता कर लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचने का मौका होगा। हालांकि उसके यह यह इतना आसान नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई टीम शानदार फॉर्म में चल रही है। उसने अभी तक एक भी मैच नहीं हारा है। आंकड़ों में भी दक्षिण अफ्रीका पर ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी है। मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम

का कोर ग्रुप बरसों से साथ खेल रहा है, सिर्फ मेग लानिंग ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा है। बाकी सभी दस खिलाड़ियों ने 2023 का फाइनल खेला था। एलिसा हीली, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगान शट और एशले गार्डनर के प्रदर्शन पर सभी की नजरें होंगी। दुबई के धीमे विकेट पर ऑस्ट्रेलिया की ताकत उसकी बल्लेबाजी की गहराई साबित हुई है। फोबे लिचफील्ड और अनाबेल सदरलैंड आक्रामक बल्लेबाजी में माहिर हैं। दक्षिण अफ्रीका की ताकत उसकी स्पिनर नोंकुलुलेको एमलाबा है जो अभी तक दस विकेट ले चुकी हैं। कप्तान लौरा वोल्वार्ट, ओपनर तजनीम ब्रिट्ज और अनुभवी मियानो काप भी मैच विनर हैं। लेकिन इस बार सामना हीली एंड कंपनी से है। दक्षिण अफ्रीकी खेमा दुआ कर रहा होगा कि इस बार वे सारे मिथक तोड़कर जीत दर्ज करेंगे।

पिछले दो ऑस्ट्रेलियाई दौरों में टीम की जीत में निभाई अहम भूमिका

पंत फिर साबित होंगे तुरुप का इक्का

नंबर

- 350 रन 2018-19 में पंत ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 58 .33 की औसत से बनाए थे
- 159 रन की करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी भी इसी दौरे पर सिडनी टेस्ट में खेली थी
- 274 रन पंत ने 2021 के दौरे में 68 .50 की औसत से सर्वाधिक भारत की ओर से बनाए थे

एजेंसी । नई दिल्ली

टीम इंडिया ने 2018-19 और 2020-21 में कंगारुओं को उसके घर में पटकनी देकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा किया था। इन दोनों सीरीज में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टीम के लिए तुरुप का इक्का साबित हुए थे। तीन साल बाद पंत फिर टीम के लिए वो जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं। पिछली बार वह गाबा में 89 रन की नाबाद

पारी खेलकर जीत के नायक बने थे। उस पारी के बाद कुछ समय के लिए वह भी समझ नहीं पाए थे कि उनकी इस पारी से प्रशंसक इतने रोमांचित क्यों हो गए थे। बाद में रोहित शर्मा ने उन्हें इस पारी की अहमियत समझाई थी। उन्होंने पंत को बताया कि उनकी यह पारी ऐतिहासिक टेस्ट में सिर्फ एक और मैच जीतने वाला प्रयास नहीं था। शुरुआत में पंत के लिए यह भारत के लिए एक कड़ा टेस्ट जीतने की संतुष्टि थी। लेकिन जैसे-जैसे समय बीता तो उन्हें अपनी उपलब्धि का महत्व समझ आया। पंत ने कहा, कभी-कभी, इस तरह का प्रदर्शन होता है जिसे आप जीवनभर याद रखते हैं। मेरे लिए गाबा टेस्ट इसमें से एक है। उस समय मैंने महसूस नहीं किया कि यह कितना महत्वपूर्ण है। रोहित भाई वहां थे और उन्होंने मुझे कहा, तुम्हें नहीं पता कि तुमने क्या किया है। मैंने पूछा, मैंने क्या किया है? मेरे लक्ष्य सिर्फ मैच जीतना था। रोहित भाई ने कहा, तुम्हें बाद में समझ आएगा कि तुमने क्या किया है। मैं जब भी लोगों को गाबा मैच के बारे में बात करते हुए सुनता हूं तो मुझे समझ आता है कि उनका मतलब क्या था और यह कितना महत्वपूर्ण था।

ऑस्ट्रेलिया में पंत

मैच	रन	सर्वश्रेष्ठ	औसत	50/100
7	624	159*	44 .21	2/1

ऑस्ट्रेलिया को घर में हराने से बड़ा कोई अहसास नहीं

उन्होंने कहा, जब आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं तो आपको उछाल और शॉर्ट गेंदों से निपटने पर अधिक काम करना पड़ता है क्योंकि वहां विकेट अलग होते हैं और माहौल भी अलग होता है। वे नहीं चाहते कि आप जीते जिससे यह और भी मजेदार हो जाता है। ऑस्ट्रेलिया जाकर उनके घर में उन्हें हराने से बढ़कर कोई और अहसास नहीं हो सकता। गंभीर सड़क हादसे के चलते पंत पिछली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में नहीं खेल पाए थे जो भारत के खेली गई थी। भारतीय टीम ने चार मैचों की सीरीज 2-1 से जीती थी।

32 साल बाद कंगारू गाबा हारे थे

तत्कालीन नियमित कप्तान विराट कोहली, सीनियर खिलाड़ी केएल राहुल और तीन मुख्य गेंदबाजों के बिना उतरी दूसरे दर्जे की भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उस स्थान पर तीन विकेट से हराया जिसे मेजबान टीम का गढ़ माना जाता था। क्योंकि टीम ने 1989 के बाद से वहां एक भी मैच नहीं गंवाया था। ऑस्ट्रेलिया के 328 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंत ने निर्णायक पारी खेली। यह प्रतिकूल विदेशी परिस्थितियों में किसी भारतीय द्वारा खेली गई सबसे बेहतरीन पारियों में से एक थी।

32 साल बाद

दोनों टीमें 32 साल बाद पांच मैचों की सीरीज खेलेंगी। पिछली बार भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 1991-92 में पांच मुकाबले खेले थे। इसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 4-0 से जीत पर कब्जा किया है।

लगातार चौथी सीरीज जीत पर निगाह

भारतीय टीम की निगाह लगातार चौथी बार बॉर्डर-गावस्कर सीरीज पर कब्जा करने का होगा। सीरीज का पहला मुकाबला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगा। आखिरी मुकाबला तीन से सात जनवरी तक सिडनी में खेला जाएगा। इस सीरीज से पता चलेगा कि दोनों टीमों से कौन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचेगा।

मेसी की हैट्रिक अर्जेंटीना ने बोलिविया को रौंदा

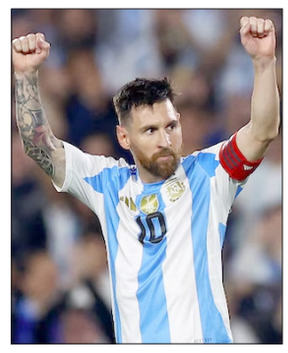

एजेंसी । ब्यूनस आयर्स

लियोनेल मेसी की हैट्रिक और दो गोल में मदद से अर्जेंटीना ने दक्षिण अमेरिका विश्व कप फुटबॉल क्वालीफाइंग मैच में बोलिविया को 6-0 से हरा दिया। मेसी दाएं टखने की चोट की वजह से प्रतिस्पर्धा के दो दौर में नहीं खेल सके थे। मगर उन्होंने मंगलवार को पूरा मैच खेला। उन्होंने 19वें मिनट में पहला गोल किया। इसके अलावा लौटेरो मार्तिनेज और जूलियन अल्वारेज के गोलों में सूत्रधार की भूमिका निभाई। 37 वर्ष के मेसी ने 84वें और 86वें मिनट में भी गोल दागे। अन्य मुकाबलों में ब्राजील ने पेरू को 4-0 से हराया। अर्जेंटीना 10 मैचों में 22 अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि उससे तीन अंक पीछे कोलंबिया है। ब्राजील 16 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। शीर्ष छह टीमें अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह बनाएंगी। दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग दौर के दो मुकाबले नवंबर में खेले जाएंगे।

11 जनवरी को मोहन बागान-ईस्ट बंगाल का महामुकाबला होगा

एजेंसी । नई दिल्ली

मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच इंडियन सुपर लीग फुटबॉल का मुकाबला 11 जनवरी को होगा। आयोजकों ने 2024-25 सत्र के कार्यक्रम की पूरी सूची बुधवार को जारी की।

स्पोर्टिंग से भी खेलेगा बागान

कोलकाता के दो दिग्गज क्लबों के बीच दूसरे चरण का मुकाबला एक फरवरी को होगा जब मोहन बागान की टक्कर मोहम्मडन स्पोर्टिंग से होगी। मोहम्मडन और ईस्ट बंगाल का सामना 16 फरवरी को होगा। सारे मुकाबले विवेकानंद युवा भारती क्रीडांगन में खेले जाएंगे। बेंगलुरु एफसी टीम जेआरडी टाटा खेल परिसर में खेलने 4 जनवरी को जमशेदपुर जाएगी।

रोनाल्डो नहीं कर सके गोल

पुर्तगाल ड्रॉ पर मजबूर

एजेंसी । मैड्रिड

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो गोल स्कॉटलैंड के खिलाफ नेशंस लीग में गोल नहीं कर सके जिससे पुर्तगाल को गोलरहित ड्रॉ खेलना पड़ा। पुर्तगाल ने इससे पहले क्रोएशिया, स्कॉटलैंड और पोलैंड को हराया था। अब तक 133

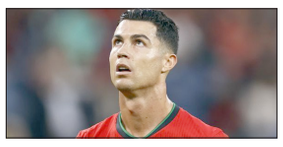

अंतरराष्ट्रीय गोल कर चुके रोनाल्डो के पास मैच में कई मौके आए लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सके। पुर्तगाल इस ड्रॉ के बावजूद ग्रुप एवन में शीर्ष पर जबकि क्रोएशिया दूसरे स्थान पर है। वहीं स्पेन ने सर्बिया को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

डेनमार्क ओपन: महिला और मिश्रित युगल में चुनौती समाप्त

एजेंसी । ओडेन्से (डेनमार्क)

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन जारी है। हाल ये है कि डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में दूसरे दिन ही महिला और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में देश की चुनौती समाप्त हो गई। भारत की दोनों जोड़ियां पहले मुकाबले

में ही हार गईं। महिला युगल के पहले मैच में त्रीसा और गायत्री एक घंटे 14 मिनट चले मैच में मलेशिया की पीयर्ली टान और मुरलीथरन थिनाह से 21-19, 17-21,15-21 हार गईं। मिश्रित युगल में सुमित रेड्डी और सिकी रेड्डी की जोड़ी भी कनाडा के केविन ली और इलियाना झांग से पहला गेम जीतने बावजूद एक घंटे दो मिनट में 22-20, 19-21, 22-24 से पराजित हो गई।

15 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म 'मैच फिक्सिंग'

अभिनेता विनीत कुमार सिंह का नाम बॉलीवुड के उन अभिनेताओं की सूची में शामिल है, जिन्होंने अलग-अलग किरदार निभाकर प्रशंसकों के बीच खास जगह बनाई है। पिछली बार उन्हें वेब सीरीज 'रंगबाज : डर की राजनीति' में देखा गया था, जिसमें उनके काम को खूब सराहा गया। यह ZEE5 पर उपलब्ध है।

मौजूदा वक्त में विनीत अपनी आगामी फिल्म 'मैच फिक्सिंग' को लेकर चर्चा में हैं। अब इस फिल्म की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है।

राजनीतिक थ्रिल

राजनीतिक थ्रिलर फिल्म 'मैच फिक्सिंग' 15 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। फिल्म से विनीत की पहली झलक भी सामने आ गई है। 'मैच फिक्सिंग' कंवर खताना की किताब 'द गेम बिहाइंड सैफरन टेरर' से प्रेरित है। फिल्म की कहानी अनुज एस मेहता ने लिखी है। इस फिल्म में अनुजा साठे और मनोज जोशी जैसे सितारे भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। केदार गायकवाड़ ने इस फिल्म का निर्देशन किया है।

'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' का एशिया पेसिफिक अवॉर्ड्स में बोलबाला

इस साल फिल्म निर्देशक पायल कपाड़िया और उनकी फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' खूब चर्चा में रही। 77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में इसे डॉक्यूमेंट्री फिल्म का खूब जलवा देखने को मिला। दुनियाभर के कई फिल्म महोत्सवों में इस फिल्म ने वाहवाही लूटी। पिछले दिनों खबर आई थी कि यह फिल्म भारत में रिलीज होने वाली है। अब खबर है कि एशिया पेसिफिक अवॉर्ड्स में इस फिल्म ने 1, 2 या 3 नहीं, बल्कि 5 नामांकन हासिल किए हैं।

30 नवंबर, 2024 को ऑस्ट्रेलिया में होगा पुरस्कार समारोह

एशिया पैसिफिक स्क्रीन अवार्ड्स के 17वें संस्करण में 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को 5 नामांकन मिले हैं। हाल ही में एशिया पैसिफिक स्क्रीन अकादमी ने नामांकन की घोषणा की, जिसमें 23 एशिया पैसिफिक देशों से 31 फिल्मों ने अपनी जगह बनाई है। इस पुरस्कार समारोह का आयोजन 30 नवंबर, 2024 को गोल्ड कोस्ट, ऑस्ट्रेलिया में होगा। 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म से लेकर सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ स्क्रीनप्ले जैसी 5 अलग-अलग श्रेणियों में नामांकन मिले हैं।

क्या है फिल्म की कहानी?

'ऑल वी इमेजिन एज़ लाइट' एक मलयालम फिल्म है। इसमें कनी कुश्रुति, दिव्या प्रभा, छाया कदम, ऋधु हरूण और अजीस नेदुमंगड़ जैसे कलाकारों ने काम किया है। ये 2 नर्सों (प्रभा और अनु) की कहानी है। दोनों अपनी दोस्तों के साथ एक ट्रिप पर जाती हैं, जहां वो खुद की पहचान तलाशती हैं। उन्हें आजादी के मायने समझ आते हैं। ये फिल्म इस समाज में महिला होने, एक महिला का जीवन और उनकी आजादी जैसे मसलों पर बात करती है।

'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' ने कान्स में रचा था इतिहास

'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' का प्रीमियर 23 मई को 2024 कान्स फिल्म फेस्टिवल में मुख्य प्रतियोगिता में किया गया था। तब इसे देख दर्शकों ने खड़े होकर 8 मिनट तक तालियां बजाई थीं। इस फिल्म फेस्टिवल में 30 साल बाद किसी भारतीय फिल्म का प्रीमियर किया गया। फिल्म ने 'ग्रांड प्रिक्स पाल्मे डी' पुरस्कार भी जीता, जो इस फिल्म फेस्टिवल का दूसरा सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है। यह बड़ा सम्मान हासिल कर फिल्म ने कान्स में इतिहास रच दिया था।

MAMI फिल्म फेस्टिवल का आगाज करेगी फिल्म

'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' नवंबर में भारत में रिलीज होगी, फिर MAMI मुंबई फिल्म फेस्टिवल में इसका प्रीमियर होगा। इसी फिल्म के साथ फिल्म महोत्सव का आगाज होगा। मुंबई फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत 19 अक्टूबर को हो रही है। विश्व सिनेमा, समुदाय, रचनात्मकता और संस्कृति के उत्सव के रूप में मनाया जाने वाला यह छह दिवसीय समारोह 50 से अधिक भाषाओं में 110 से अधिक फिल्मों की मेजबानी करेगा, जिसमें सभी शैलियों की फीचर और गैर-फीचर फिल्में शामिल होंगी।

रकुल प्रीत सिंह को लगी चोट

डॉक्टरों ने दी आराम करने की सलाह

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह हाल ही में गंभीर चोट का शिकार हो गईं। दरअसल, जिम में वर्कआउट सेशन के दौरान 80 किलो डेडलिफ्ट करने के कारण उनकी पीठ में चोट लग गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रकुल बिना बेल्ट पहने 80 किलो डेडलिफ्ट कर रही थीं, जिसके कारण उनकी पीठ में ऐंठन हो गई।रकुल पिछले एक सप्ताह से बिस्तर पर आराम कर रही हैं और कहा जा रहा है कि उनकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है।

आराम कर रही हैं रकुल

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चोट लगने के कारण रकुल की L4, L5 और S1 नसें जाम हो गई हैं। इसके बावजूद उन्होंने लगातार 2 दिनों तक मांसपेशियों को आराम देने वाली दवा लेते हुए अपनी आगामी फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग जारी रखी। 3 दिन तक दर्द सहने के बाद रकुल ने अपने डॉक्टर से मुलाकात की और उन्होंने अभिनेत्री को आराम करने की सलाह दी है। काम के मोर्चे पर बात करें तो रकुल को पिछली बार फिल्म 'इंडियन 2' में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई। इन दिनों रकुल फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसमें अजय देवगन और आर माधवन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

'दरवाजा' में नजर आएंगी जया बच्चन

भारतीय सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री और समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सांसद जया बच्चन को पिछली बार आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में देखा गया था। इस फिल्म में उन्होंने पहली बार नकारात्मक किरदार निभाया था और चारों तरफ उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई। यह फिल्म OTT प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। अब जया की आगामी फिल्म से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है।

विकास बहल करेंगे फिल्म का निर्देशन

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'क्वीन' और 'शैतान' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके विकास बहल एक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसमें जया मुख्य भूमिका में नजर आएंगी और यह पहला मौका है, जब अभिनेत्री किसी फिल्म में कॉमेडी करती दिखाई देंगी। यह विकास और जया के बीच पहला सहयोग होने वाला है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी कॉमेडी से भरपूर होगी और इसमें कई अन्य भी अभिनय करते नजर आएंगे। जया और विकास की आगामी फिल्म का नाम 'दरवाजा' बताया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग इस महीने के अंत में शुरू हो सकती है। फिल्म की कहानी जया के किरदार के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म में कई और दिलचस्प किरदार भा होंगे। एक सूत्र ने खुलासा किया कि स्क्रिप्ट सुनने के बाद जया को यकीन नहीं था कि वे कॉमिक किरदार निभा पाएंगी, लेकिन निर्देशन ने उन्हें फिल्म के मना लिया।

'भूल भुलैया 3' का मुख्य गाना जारी

पिछले लंबे समय से अभिनेता कार्तिक आर्यन अपनी आगामी फिल्म 'भूल भुलैया 3' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म में कार्तिक की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ बनी है। इसके अलावा विद्या बालन और माधुरी दीक्षित भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाती हुई नजर आएंगी। अब निर्माताओं ने 'भूल भुलैया 3' का मुख्य गाना जारी कर दिया है, जिसमें कार्तिक जबरदस्त डांस करते नजर आ रहे हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

इस गाने को पिटबुल, नीरज श्रीधर और दिलजीत दोसांझ ने साथ मिलकर तैयार किया है। 'भूल भुलैया 3' इस साल दीवाली के खास मौके पर यानी 1 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' से होगा। 'भूल भुलैया 3' 2007 में आई फिल्म 'भूल भुलैया' की तीसरी किस्त है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अनीस बज्मी ने संभाली है।

दोपहर

न्यूज़ ब्रीफ

मुन्ना शुक्ला को आत्मसमर्पण के लिए नहीं मिला अतिरिक्त समय

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बिहार के तत्कालीन मंत्री बृज बिहारी प्रसाद और उनके अंगरक्षक लक्ष्मेश्वर शाहू हत्याकांड मामले में उम्रकैद की सजा पाए पूर्व विधायक विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला को जेल में आत्मसमर्पण करने के लिए अतिरिक्त समय देने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने 3 अक्टूबर को इस मामले में पूर्व विधायक विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला और मंटू तिवारी को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

श्रीनगर में नेटवर्क गुणवत्ता सबसे बेहतर

नई दिल्ली। बेहतर मोबाइल कनेक्टिविटी और डाउनलोड स्पीड के मामले में देश के 50 शहरों में श्रीनगर पहले नंबर पर है। जबकि उत्तर प्रदेश का आगरा दूसरे और हरियाणा का फरीदाबाद तीसरे स्थान पर है। वहीं, महाराष्ट्र का नासिक शहर अंतिम पायदान (50) पर है। इस रैंकिंग को तैयार करने में शहरों के अंदर मोबाइल से जुड़े बुनियादी ढांचे और 4जी-5जी के जरिए शहरों में आए बदलाव का आंकलन किया गया। अध्ययन में स्मार्ट सिटी से लेकर देश के अन्य प्रमुख शहरों को शामिल किया गया है।

पेड़ों की कटाई मामले में सुप्रीम कोर्ट ने LG सक्सेना से मांगा व्यक्तिगत हलफनामा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को DDA (दिल्ली विकास प्राधिकरण) अध्यक्ष व दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से दक्षिणी रिज क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हुई पेड़ों की कटाई मामले में एक व्यक्तिगत हलफनामा दायर करने को कहा है। कोर्ट ने कहा है कि इस हलफनामे में उपराज्यपाल इस इलाके में हुई कटाई से संबंधित मामले के विभिन्न पहलुओं पर सम्पूर्ण खुलासा करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सक्सेना से दोषी अधिकारियों के खिलाफ की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई और आपराधिक केस चलाने के बारे में भी विस्तृत विवरण देते हुए 22 अक्टूबर तक अपना हलफनामा दाखिल करने को कहा।

पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर में युवती का शव मिला

कृष्णानगर। पश्चिम बंगाल में नदिया जिले के कृष्णानगर में बुधवार को एक युवती का शव बरामद किया गया। पुलिस ने बताया कि युवती का चेहरा आंशिक रूप से झुलसा हुआ है। आरोप है कि युवती की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि अज्ञात युवती का शव आश्रमपुरा इलाके में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के निकट मिला। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय एम. कुमार मकवाना ने बताया कि युवती की उम्र करीब 20-22 साल है।

जूनियर डॉक्टरों का अनशन जारी

कोलकाता। आरजी कर अस्पताल मामले में पीड़िता को न्याय दिलाने और कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को लेकर जूनियर डॉक्टरों का आमरण अनशन बुधवार को लगातार 12वें दिन जारी रहा। हड़ताल पर बैठे उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के डॉक्टर सौरव दत्ता को मंगलवार शाम अस्पताल में भर्ती कराया गया। जलपाईगुडी स्थित अस्पताल के सीसीयू में उनका उपचार किया जा रहा है।

नायब सैनी ही रहेंगे हरियाणा के मुख्यमंत्री

शाह की मौजूदगी में नाम तय, राजभवन पहुंचकर सरकार बनाने का दावा पेश किया, शपथ आज

एजेंसी । चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी के नेता नायब सिंह सैनी ने बुधवार को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से राजभवन में मुलाकात कर प्रदेश में नई सरकार बनाने का दावा पेश किया। बुधवार को दोपहर में पंचकूला में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में नायब सिंह सैनी को सर्वसम्मति से हरियाणा में विधायक दल का नेता चुना गया था। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए। मिली जानकारी के अनुसार नवनिर्वाचित विधायकों अनिल विज और कृष्ण कुमार बेदी ने नायब सिंह सैनी के नाम का प्रस्ताव दिया था। बता दें कि हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को 48 सीट पर जीत मिली है जबकि कांग्रेस ने 37 सीट पर जीत दर्ज कर पाई। नायब सिंह सैनी गुरुवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल होंगे।

एनडीए के सहयोगियों को निमंत्रण भेजा गया

हरियाणा में गुरुवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि "एनडीए के सहयोगियों को निमंत्रण भेजा गया है। चूंकि यह एक शानदार जीत है, इसलिए जश्न भी शानदार होगा। पार्टी के सभी बड़े नेता इस ऐतिहासिक क्षण के गवाह बनेंगे। हरियाणा में इतिहास लिखा गया है, क्योंकि राज्य में भाजपा लगातार तीसरी बार चुनी गई है।"

अमित शाह ने दी बधाई

बता दें कि बुधवार को हरियाणा भाजपा विधायक दल की बैठक में नायब सिंह सैनी को विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि "हरियाणा में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद भाजपा नेता दल का नेता चुनने पर नायब सिंह सैनी को हार्दिक बधाई।"

हरियाणा की 20 सीटों पर फिर चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका

एजेंसी । नई दिल्ली

हरियाणा की 20 विधानसभा सीटों पर दोबारा चुनाव कराने की मांग को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई। याचिका में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से जारी चुनाव नतीजों को संदिग्ध और उनमें विसंगतियां होने का आरोप लगाया गया। शीर्ष अदालत में प्रिया मिश्रा और विकास बंसल की ओर से अधिवक्ता नरेंद्र मिश्रा ने यह याचिका दाखिल की। याचिका में आरोप लगाया गया कि हरियाणा की 20 विधानसभाओं में कुछ ईवीएम 99 फीसदी बैट्री क्षमता पर काम कर रही थीं, जबकि कुछ ईवीएम 80 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रही थीं।

कांग्रेस की शिकायत का हवाला दिया : याचिका में कांग्रेस की ओर से भारत निर्वाचन आयोग को दी शिकायत का हवाला देते हुए कहा गया कि कुछ मामलों में, एक ही मतदान केंद्र में इस्तेमाल की गई ईवीएम में यह विसंगति पाई गई। याचिका में कहा गया कि इसकी जानकारी मिलने पर कांग्रेस उम्मीदवारों ने संबंधित निर्वाचन अधिकारियों के समक्ष इस मुद्दे को उठाया, लेकिन कोई समुचित जवाब नहीं मिला। याचिका में दावा किया गया कि कुछ ईवीएम 99 फीसदी तो कुछ 70 फीसदी तक की क्षमता से काम कर रही थी जो परिणाम के दिन चार्जिंग प्वाइंट की क्षमता से काफी अधिक है।

मतदान के आंकड़ों पर सवाल भी सवाल

याचिका में आयोग द्वारा जारी किए गए मतदान के आंकड़ों पर भी सवाल उठाया गया। याचिका में कहा गया कि निर्वाचन आयोग ने मतदान के शाम 7 :25 बजे आंकड़ा जारी किया कि 61.19 फीसदी मतदान हुआ, इसके बाद रात 11 :45 पर एक नया आंकड़ा जारी किया कि राज्य में 65 .65 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद मतगणना से महज कुछ घंटे पहले आयोग ने एक बार फिर नया आंकड़ा जारी करते हुए कहा कि राज्य में 67 .90 फीसदी मतदान हुआ। याचिका में कहा गया कि मतदान के दो दिन बाद 2 .25 फीसदी की बढ़ोतरी कई सवालों को जन्म देती है। याचिका में निर्वाचन आयोग को फॉर्म 17सी के साथ सभी तीन मतदान आंकड़ों को प्रकाशित करने और ईवीएम मशीनों और चुनाव प्रमाण पत्रों की घोषणा को संग्रहित करने का निर्देश देने की भी मांग की गई। अधिवक्ता नरेंद्र मिश्रा ने कहा कि जिन 20 विधानसभा सीटों पर दोबारा चुनाव कराने की मांग की गई है, इन सभी सीटों पर कांग्रेस की हार हुई।

उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर UT के पहले मुख्यमंत्री

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रैना को हराने वाले सुरेंदर चौधरी डिप्टी CM

एजेंसी । श्रीनगर

नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वे इस केंद्र शासित राज्य के पहले सीएम बन गए। कार्यक्रम श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (SKICC) में हुआ।

कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं

नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई है। हालांकि उमर के शपथ समारोह में राहुल और प्रियंका गांधी मौजूद रहे। कांग्रेस ने सरकार को बाहर से समर्थन दिया है। पार्टी का कहना है कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने तक उसकी लड़ाई जारी रहेगी। शपथ लेने के बाद उमर ने कहा कि उनकी गाड़ी के लिए सड़क पर कोई भी ग्रीन कॉरिडोर या ट्रैफिक नहीं रोका जाएगा। उन्होंने अपने मंत्रियों से भी अनुरोध किया है कि वे भी ऐसा ही करें। उमर का कहना है कि वे जनता की सेवा के लिए हैं, न कि उन्हें तकलीफ देने के लिए।

समारोह में 50 से ज्यादा VIP, केजरीवाल-ममता नहीं आए

शपथ में I.N.D.I.A. ब्लॉक के नेताओं में अखिलेश यादव, संजय सिंह समेत 6 पार्टियों के लीडर्स पहुंचे थे। संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल की CM ममता बनर्जी, तमिलनाडु CM एमके स्टालिन, उद्धव ठाकरे, शरद पवार, लालू प्रसाद यादव और अरविंद केजरीवाल सहित करीब 50 VIPs को न्योता भेजा गया था। हालांकि केजरीवाल और ममता बनर्जी समारोह में नहीं पहुंचे।

कलबुर्गी जेल बना कैदियों का VIP अड्डा

सिगरेट पीते सेल्फी लेते वीडियो वायरल, पुलिस कर रही जांच

एजेंसी । कलबुर्गी

कर्नाटक की कलबुर्गी जेल में कैदियों को वीआईपी ट्रीटमेंट मिल रहा है। इस अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जेल में बैठे बैठे कैदियों को सिगरेट पीते और मोबाइल पर वीडियो बनाते हुए वीडियो वायरल हुए हैं। वहीं, वीडियो कलबुर्गी पुलिस आयुक्त डॉ. शरणप्पा ढगे तक पहुंचा तो उन्होंने सोमवार रात जेल में छापा मारा तो वहां कई प्रतिबंधित सामान जब्त किए।

सोमवार रेड में कैदियों के पास से पकड़े मोबाइल फोन और नशीली चीजें

कुछ कैदियों के अवैध गतिविधियों में लिप्त होने के संदेह के बाद फरहताबाद पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। आयुक्त ने कहा कि सहायक पुलिस आयुक्त कनिका सिकरेवाल के नेतृत्व में 50 से अधिक पुलिस कर्मियों की टीम ने सोमवार रात चार घंटे से अधिक समय तक सेंट्रल जेल परिसर की तलाशी ली। इस दौरान दो मोबाइल फोन, नशीली पुड़िया, बीड़ी बट, गुटका और सिगरेट के पैकेट पाए और जब्त कर लिए।

एक वीडियो में फोटो खिंचवाते नजर आ रहे हैं कैदी

एक वीडियो में एक कैदी अपने स्मार्ट फोन से दोस्तों को वीडियो कॉल करता नजर आ रहा है। अन्य कैदी गांजा पीते हुए सेल्फी खिंचवाते नजर आ रहे हैं। राज्य की जेलों की प्रभारी पुलिस महानिदेशक मालिनी कृष्णमूर्ति ने आश्वासन दिया कि मामले की गहनता से जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं बार-बार सामने आने पर अधिकारियों ने प्रारंभिक जांच के आदेश दिए हैं।

पुलिसवाले इन मामलों में लिप्त हुए तो होगी कार्रवाई

उन्होंने कहा कि पहले से ही एक एफआईआर दर्ज है। हम जांच करेंगे कि क्या इसमें पुलिस अधिकारियों की भी कोई भूमिका है। हम तदनुसार कार्रवाई करेंगे... हम इसे खत्म करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

अनूठी पहल

महिला स्टाफ की सुरक्षा के लिए लगाए पिंक अलार्म

भोपाल। मध्य प्रदेश के दतिया शहर में सरकारी जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में पहली बार 'पिंक अलार्म लगाए गए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद हाल ही में सरकारी अस्पतालों में महिला कर्मचारियों की सुरक्षा का मुद्दा सामने आया। राज्य जनसंपर्क विभाग के अधिकारी ने बताया कि अलार्म सिस्टम जिला कलेक्टर संदीप माकिन की पहल थी। उन्होंने कहा, यह राज्य का पहला सरकारी अस्पताल है, जहां यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अलार्म दबाने पर सायरन बजेगा और पांच मिनट के भीतर सुरक्षाकर्मी मुसीबत में फंसे व्यक्ति तक पहुंच जाएंगे। सिविल सर्जन और अस्पताल अधीक्षक डॉ. के सी राठौर ने बताया कि प्रसूति वार्ड, ट्रॉमा सेंटर और नए ओपीडी ब्लॉक की तीनों मंजिलों पर स्टाफ ड्यूटी रूम में अलार्म लगाए गए हैं।

वक्फ बोर्ड मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को लगाई फटकार

नोटिस जारी कर मांगा जवाब

एजेंसी । बेंगलुरु

वक्फ बोर्ड मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को लेकर अपना सख्त रुख अपनाया है। जहां सिद्धारमैया सरकार के वक्फ बोर्ड को विवाह प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति देने के फैसले पर सवाल उठाते हुए अदलात ने दायर जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया है। बता दें कि कर्नाटक सरकार ने वक्फ बोर्ड को विवाह प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति दे दी थी, जिसके विरोध में हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई। जिसपर सुनवाई के दौरान कर्नाटक हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए जवाब मांगा है।

कर्नाटक HC ने मांगा जवाब

दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सरकारी वकिल के तर्क पर मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया और न्यायमूर्ति केवी अरविंद की पीठ ने कहा कि वक्फ बोर्ड के पास विवाह प्रमाण पत्र जारी करने का कोई कार्य नहीं है। जानकारी के अनुसार अदालत में वकिल ने तर्क दिया था कि बोर्ड को केवल विवाह प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार दिया गया है। बता दें कि पीठ ने इस मामले में राज्य सरकार से 12 नवंबर से पहले पहले जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता की मांग

कर्नाटक हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका में की गई मांग की बात करें तो, याचिकाकर्ता ने मांग की है कि अल्पसंख्यक, वक्फ एवं हज विभाग के अवर सचिव द्वारा जारी 30 सितंबर 2024 के सरकारी आदेश को वक्फ अधिनियम, 1995 में कानून के विपरीत और असंगत घोषित किया जाने की मांग की गई है और इसलिए कर्नाटक सरकार के इस फैसले को अधिनियम के विरुद्ध घोषित किया जाए।

ख़तरा | जलवायु परिवर्तन से मानसून अस्थिर, दिशा भी बदली

हर साल 2.5 लाख मौतों की वजह बनेगा जलवायु परिवर्तन

एजेंसी । नई दिल्ली

देशभर में रिकॉर्ड तोड़ बारिश और गर्मी ने देशवासियों को झकझोर दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभाव के कारण मौसम का यह अस्थिर रूप देखने को मिला है। जलवायु परिवर्तन ने मानसून की पारंपरिक धारा को बदल दिया है। पहले जहां मानसून की प्रणाली उत्तर की ओर चलती थी, अब यह दक्षिण और मध्य भारत में अधिक सक्रिय हो रही है। इस बदलाव के कारण लगातार भारी बारिश और अचानक तापमान में वृद्धि देखी जा रही है। इतना ही नहीं भारी वर्षा और बढ़ते न्यूनतम तापमान ने कई क्षेत्रों को प्रभावित किया और भविष्य में इस स्थिति के और गंभीर होने के भी संकेत दिए हैं। एक अन्य शोध के मुताबिक, जलवायु में तेजी से हो रहा बदलाव भोजन, पानी, हवा और मौसम पर बुरा असर डाल रहा है। यही नहीं, धीरे-धीरे हालात खतरनाक होते जा रहे हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 2030 से 2050 के बीच जलवायु परिवर्तन हर साल ढाई लाख लोगों की मौतों की वजह बनेगा।

पिछले पांच सालों में बारिश और अचानक बाढ़ आने की घटनाएं

क्लाईमेट ट्रेंड्स के विश्लेषण के अनुसार, हाल के वर्षों की तरह ही इस साल मानसून में पिछले पांच सालों में बारिश और अचानक बाढ़ आने की घटनाएं हुईं। इस वर्ष देशभर में सामान्य से अधिक बारिश हुई। एक जून से 30 सितंबर तक कुल 934 ।8 मिमी बारिश दर्ज की गई। मानसून का यह प्रदर्शन, विशेष रूप से जुलाई से सितंबर के महीनों में अप्रत्याशित रहा, जबकि जून में अल-नीनो के प्रभाव के कारण 11% की बारिश की कमी देखी गई थी। भारी बारिश के बावजूद मानसून के दौरान रात के तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। देश के मध्य और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में रात का तापमान सामान्य से अधिक रहा। पूर्वोत्तर भारत में अब तक का सबसे अधिक न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

729 जिलों में से 340 जिलों में सामान्य वर्षा

इस साल 729 जिलों में से 340 जिलों में सामान्य वर्षा हुई, जबकि 158 जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हुई। 48 जिलों में अत्यधिक बारिश दर्ज की गई। लेकिन 167 जिलों में वर्षा की कमी और 11 जिलों में गंभीर कमी दर्ज की गई। अगस्त और सितंबर में रिकॉर्ड-तोड़ भारी बारिश हुई। अगस्त में 753 स्टेशनों पर और सितंबर में 525 स्टेशनों पर बहुत भारी बारिश दर्ज की गई, जो पिछले कुछ वर्षों के मुकाबले सबसे अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ते वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश की तीव्रता और अस्थिरता में वृद्धि हो रही है।

मौसम प्रणालियों की जीवन अवधि बढ़ी

आईएमडी के पूर्व महानिदेशक डॉ। के ।जे। रमेश ने कहा कि पिछले 5-6 वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम प्रणालियों की जीवन अवधि बढ़ गई है। इससे मैदानी इलाकों में बारिश की तीव्रता बनी रहती है। यह वैश्विक तापमान में वृद्धि और लगातार जलवायु परिवर्तन के संकेत हैं। क्लाइमेट ट्रेंड्स की निदेशक आरती खोसला ने कहा कि हमें अपने जीवन, आजीविका और पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। आईपीई ग्लोबल के क्लाइमेट चेंज और सस्टेनेबिलिटी प्रैक्टिस हेड अभिनाश मोहंती ने कहा कि भारत में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखने लगे हैं।

दो दिन स्पेशल सेल की रिमांड में रहेगा गैंगस्टर दीपक बॉक्सर

एजेंसी । नई दिल्ली

पटियाला हाउस कोर्ट ने जबरन वसूली के एक मामले में दीपक बॉक्सर को दो दिन की स्पेशल सेल हिरासत में भेज दिया। उन्हें नांगलोई इलाके में एक मिठाई की दुकान में कथित तौर पर पैसे वसूलने के लिए गोलीबारी की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) अभिषेक कुमार ने दीपक पहल उर्फ बॉक्सर को पुलिस हिरासत में भेज दिया। तिहाड़ जेल से ताजा गिरफ्तारी के बाद पेश किया गया। अब दीपक को 18 अक्टूबर को कोर्ट के सामने पेश किया जाएगा।

क्या हैं आरोप?

29 सितंबर को स्पेशल सेल ने फायरिंग की घटना के सिलसिले में दीपक बॉक्सर-गोगी गैंग के दो शार्पशूटरों को हरिओम उर्फ लल्ला और जतिन को पकड़ा था। दोनों आरोपियों ने जेल में बंद गोगी गैंग के गैंगस्टर दीपक बॉक्सर/अंकेश लाकड़ा के नाम पर पैसे वसूलने के लिए दिल्ली के नांगलोई इलाके में एक मिठाई की दुकान पर हाल ही में गोलीबारी की घटनाओं को अंजाम दिया था।